राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार, 26 जनवरी–2022 वर्ष–4,अंक–364 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

उपराष्ट्रपति ने 73वें गणतंत्र दिवस पर देशवासियों को बधाई दी

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडु ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि ÷मैं 73वें गणतंत्र दिवस समारोह के इस आनंदपूर्ण अवसर पर अपने देश के समस्त नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। हमारा संविधान हमारा मार्गदर्शक है और हमारा नैतिक मानदंड है। इसने एक ऐसी नींव डाली है जिस पर हमारा महान राष्ट्र टिका है और जिसके जरिए राष्ट्र प्रशासित होता है। गणतंत्र दिवस हमारे संविधान में निहित स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और सभी के लिए न्याय के सिद्धांतों के प्रति अपनी आस्था को दोहराने का उपयुक्त अवसर है। यह उन स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करने व उन्हें याद करने का भी अवसर है जिनके निःस्वार्थ बलिदानों से इस महान गणतंत्र का जन्म हुआ है। आइए, इस आनंदपूर्ण दिवस पर हम अपने गणतंत्र की उपलब्धियों का गुणगान करें और भारत को एक शांतिपूर्ण, सामंजस्यपूर्ण एवं प्रगतिशील देश बनाने की दिशा में सत्यनिष्ठा से स्वयं को समर्पित करने का संकल्प लें।

'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' सम्मान पाने वाले बच्चों से बात की पीएम ने

नई दिल्ली । दिल्ली में मंगलवार को पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 6028 नए मामले सामने आए जिसके बाद यहां महामारी की शुरुआत से लेकर अब तक संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 18,03,499 हो गई है। इसके साथ ही दिल्ली में कोरोना संक्रमण दर 10.55 हो गई है। फिलहाल यहां 42,010 सक्रीय मरीज हैं। पिछले 24 घंटों में यहां 31 मरीजों की मौत इस वायरस की वजह से हुई जिन्हें मिलाकर अब तक कुल 25,681 लोग कोरोना की वजह से दिल्ली में जान गंवा चुके हैं। इस दौरान 9127 मरीजों को ठीक होने के बाद अस्पतालों से छुट्टी भी दे दी गई जिसके बाद यहां इस बीमारी को मात देने वाले मरीजों का कुल आंकड़ा 17,35,808 हो गया।

पीएम मोदी ने हिमाचल प्रदेश के स्थापना दिवस पर लोगों को बधाई दी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के स्थापना दिवस पर लोगों को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा कि ÷हिमाचल प्रदेश के सभी लोगों को पूर्ण राज्यत्व दिवस पर ढेरों शुभकामनाएं। मेरी कामना है कि प्रकृति की गोद में बसा यह राज्य निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे और देश के विकास में भी अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाता रहे।÷

गणतंत्र दिवस, 2022 के अवसर पर वीरता पदक/सेवा पदकों के पुरस्कार

नई दिल्ली । गणतंत्र दिवस-2022 के अवसर पर कुल 939 पुलिस कर्मियों को पदक से सम्मानित किया गया है।189 वीरता पुरस्कारों में से अधिकांश, 134 कर्मियों को जम्मू और कश्मीर क्षेत्र में उनकी वीरता के लिए सम्मानित किया जा रहा है। 47 कर्मियों को वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में वीरतापूर्ण कार्रवाई के लिए और 01 व्यक्ति पूर्वोत्तर क्षेत्र में वीरतापूर्ण कार्रवाई के लिए सम्मानित किया जा रहा है। वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मियों में जम्मू-कश्मीर पुलिस से 115, सीआरपीएफ से 30, आईटीबीपी से 03, बीएसएफ से 02, एसएसबी से 03, छत्तीसगढ़ पुलिस से 10, ओडिशा पुलिस से 09 और महाराष्ट्र पुलिस से 07 और शेष अन्य राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों से हैं।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर बोले राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

कोरोना के खिलाफ असाधारण लड़ाई लड़ रहा है देश

(एजेंसी):

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद देश को संबोधित कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि मुझे यह कहते हुए गर्व का अनुभव होता है कि हमने कोरोना-वायरस के खिलाफ असाधारण दृढ़-संकल्प और कार्य-क्षमता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि अनगिनत परिवार, भयानक विपदा के दौर से गुजरे हैं। हमारी सामूहिक पीड़ा को व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। लेकिन एकमात्र सांत्वना इस बात की है कि बहुत से लोगों की जान बचाई जा सकी है। राष्ट्रपति ने कहा कि कोविड महामारी का प्रभाव अभी भी व्यापक स्तर पर बना हुआ है, अतः हमें सतर्क रहना चाहिए और अपने बचाव में तनिक भी ढील नहीं देनी चाहिए। हमने अब तक जो सावधानियां बरती हैं, उन्हें जारी रखना है। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के खिलाफ लड़ाई में वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों द्वारा बताई गई सावधानियों का पालन करना आज हर देशवासी का राष्ट्र-धर्म बन गया है। यह राष्ट्र-धर्म हमें तब तक निभाना ही है, जब तक यह संकट दूर नहीं हो जाता। रामनाथ कोविंद ने कहा कि कठिन परिस्थितियों में लंबे समय तक काम करके, यहां तक कि मरीजों की देखभाल के लिए अपनी जान जोखिम में डाल कर भी डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स ने मानवता की सेवा की है।

अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है

रामनाथ कोविंद ने कहा कि लोगों को रोजगार देने तथा अर्थ-व्यवस्था को गति प्रदान करने में छोटे और मझोले उद्यमों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमारे इनोवेटिव युवा उद्यमियों ने स्टार्ट-अप ईको-सिस्टम का प्रभावी उपयोग करते हुए सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

जन-संसाधन से लाभ उठाने यानि डेमोग्राफिक डिविडेंड प्राप्त करने के लिए, हमारे पारंपरिक जीवन-मूल्यों एवं आधुनिक कौशल के आदर्श संगम से युक्त राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिये सरकार ने समुचित वातावरण उपलब्ध कराया है। राष्ट्रपति ने कहा कि मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि विश्व में सबसे ऊपर की 50 'इनोवेटिव इकॉनोमीज़' में भारत अपना स्थान बना चुका है।

राष्ट्रपति ने जीवन रक्षा पदक श्रृंखला पुरस्कार - 2021 प्रदान करने की मंजूरी दी

नई दिल्ली ।

राष्ट्रपति ने 51 व्यक्तियों को जीवन रक्षा पदक श्रृंखला पुरस्कार - 2021 प्रदान करने की मंजूरी दी है। इनमें 6 को सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक, 16 को उत्तम जीवन रक्षा पदक और 29 व्यक्तियों को जीवन रक्षा पदक शामिल हैं। पांच को मरणोपरांत पदक प्रदान किया गया है। जीवन रक्षा पदक श्रृंखला के पुरस्कार किसी व्यक्ति के जीवन को बचाने को लेकर मानव स्वभाव के सराहनीय कार्य के लिए दिए जाते हैं। यह पुरस्कार तीन श्रेणियों में प्रदान किए जाते हैं। इनके नाम हैं- सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक, उत्तम जीवन रक्षा पदक और जीवन रक्षा पदक। जीवन के सभी क्षेत्रों के व्यक्ति इन पुरस्कारों के पात्र हैं। यह पुरस्कार मरणोपरांत भी प्रदान किया जा सकता है। यह पुरस्कार (पदक, केंद्रीय गृह मंत्री के हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र और एकमुश्त मौद्रिक भत्ता) संबंधित केंद्रीय मंत्रालय/ संगठन/ राज्य सरकार, जिससे पुरस्कार प्राप्त करने वाला व्यक्ति संबंधित है, उसके द्वारा प्रदान किया जाता है।

पहले देश, फिर दल, यह हमेशा हमारे सभी कार्यकर्ताओं के लिए भाजपा का मंत्र रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भाजपा के सभी 'पन्ना प्रमुख' (मतदाता सूची के प्रत्येक पृष्ठ के प्रमुख) को अपने पन्ना में मौजूद प्रत्येक सदस्य (मतदाता) को जानने का प्रयास करना चाहिए। मोदी ने गुजरात के 'पेज कमेटी' (पेज कमेटी) के सदस्यों और देश भर के पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ नमो ऐप के जरिए बातचीत की। मोदी ने कहा, पहले देश, फिर दल, यह हमेशा हमारे सभी कार्यकर्ताओं के लिए भाजपा का मंत्र रहा है। राज्य के सभी पन्ना प्रमुखों को अपने पन्ना में मौजूद प्रत्येक सदस्य को जानने का प्रयास कर चुनाव हो या न हो, उनके साथ अपने परिवार की तरह व्यवहार करना चाहिए।' राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर भारत के लोगों को बधाई देकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज राष्ट्रीय मतदाता दिवस है। मैं इस दिन विशेष रूप से मिलेनियल्स को बधाई देता हूं। भारत का चुनाव आयोग आज पूरी दुनिया के लिए एक बेंचमार्क है। हमारे प्रयास लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने का होना चाहिए।' भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बात कर प्रधानमंत्री मोदी ने पूछा, 'क्या हम यह संकल्प ले सकते हैं कि इस 'आजादी का अमृत महोत्सव में, हम हर बूथ पर कम से कम 75 प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने ?' उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ कई विषयों पर चर्चा की, जिसमें टीकाकरण कवरेज, प्रौद्योगिकी से संबंधित मुद्दे, सौर ऊर्जा परियोजनाएं और कच्छ का विकास शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें पता है कि कोरोना काल में भाजपा के कार्यकर्ता मददगार थे। उन्होंने उनसे तकनीक के इस्तेमाल के बारे में भी पूछा। इसका जवाब देकर कार्यकर्ता ने कहा, हम सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं और हमने अलग-अलग क्षेत्रों के लिए अलग-अलग व्हाट्सएप और मैसेजिंग ग्रुप बनाए हैं ताकि उनकी विशेष जरूरतों को पूरा किया जा सके।''प्रधानमंत्री ने सभी पन्ना प्रमुखों से एक साथ बैठने और 'मन की बात' सुनने का आग्रह किया।

पंजाब चुनाव 117 उम्मीदवारों के साथ राहुल गांधी करेंगे शक्ति प्रदर्शन

अमृतसर (एजेंसी)।

पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी गुरुवार को अमृतसर पहुंचेंगे। पंजाब दौरे के दौरान राहुल गांधी पार्टी के नेताओं और नए उम्मीदवारों के साथ अमृतसर में गोल्डन टेंपल में लंगर में शामिल होंगे। लंगर में शामिल होने के दौरान राहुल गांधी के साथ सभी 117 उम्मीदवार उपस्थित रहेंगे जिनको पार्टी ने इस बार के चुनाव में टिकट दिया है। पार्टी के मुताबिक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गुरुवार सुबह दिल्ली से अमृतसर पहुंचेंगे। अमृतसर पहुंचने के बाद वह स्वर्ण मंदिर में मत्था टेकेंगे और पार्टी के 117 उम्मीदवारों के साथ लंगर में शामिल होंगे। इसके साथ-साथ राहुल गांधी दुर्गियाना मंदिर और भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल भी जाएंगे और वहां मत्था टेकेंगे। दोपहर में राहुल अमृतसर से 100 किलोमीटर दूर जालंधर पहुंचेंगे। बाद में दिन में जालंधर के मीठापुर में, राहुल गांधी शाम को दिल्ली लौटने से पहले पंजाब फतेह वर्चुअल रैली को संबोधित करेंगे। चुनाव आयोग ने शनिवार को फीजिकल रैलियों और रोड शो पर प्रतिबंध 31 जनवरी तक बढ़ा दिया। पंजाब में 20 फरवरी को मतदान होगा। पंजाब दौरे के दौरान राहुल गांधी की पूरी कोशिश यही है कि किसी भी तरह से पार्टी में एकजुटता नजर आए। पिछले कई महीनों से पंजाब कांग्रेस अंदरुनी कलह से गुजर रहा है। ऐसे में राहुल गांधी की कोशिश यही है कि चुनाव में पार्टी को अंदरुनी कलह की वजह से किसी भी प्रकार का नुकसान न हो।

मायावती दो फरवरी से शुरू करेंगी बसपा का चुनाव प्रचार अभियान, आगरा में होगी पहली जनसभा

लखनऊ (एजेंसी) ।

उत्तर प्रदेश चुनाव की घोषणा के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती बसपा के चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत करने वाली हैं। वह दो फरवरी को आगरा से पहली जनसभा को संबोधित करेंगी। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सांसद सतीश चन्द्र मिश्र ने बताया कि बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती दो फरवरी को आगरा में कोविड नियमों का पालन करते हुए जनसभा को सम्बोधित करेंगी। उन्होंने बताया कि जनसभा का समय, स्थान और आगामी जनसभाओं की सूचना मीडिया बंधुओं को शीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी। उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री रहीं मायावती ने इस बार विधानसभा चुनाव के न तो अभी तक कोई जनसभा की न ही कोई चुनावी रैली। बाकी दल चुनाव तारीखों के ऐलान से पहले ही लगभग सभी क्षेत्रों में अपना चुनाव प्रचार अभियान शुरू कर चुके हैं, लेकिन मायवाती लगातार खामोश रहीं। मायावती की निष्क्रियता को लेकर कई तरह के सवाल उठाए जा रहे थे। हाल ही में कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने भी उन पर कटाक्ष करते हुए था कि मायावती भाजपा के दबाव में प्रचार नहीं कर रही हैं। यूपी की सियासत में बसपा का अहम किरदार रहा है। मायावती सत्ता में रहें या न रहें, उनकी चर्चा हमेशा होती रहती है। पिछले कई दिनों से उनके सक्रिय न रहने पर विपक्ष ने कटाक्ष करना शुरू कर दिया था।

देश में कोविड टीकाकरण अब तक 162.92 करोड़ से अधिक, 24 घंटों में 2,55,874 नए केस

नई दिल्ली । पिछले 24 घंटों में 62 लाख से अधिक (62,29,956) वैक्सीन की खुराक देने के साथ ही भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज आज सुबह 7 बजे तक अंतिम रिपोर्ट के अनुसार 162.92 करोड़ (1,62,92,09,308) से अधिक हो गया। इस उपलब्धि को 1,77,12,517 टीकाकरण सत्रों के जरिये प्राप्त किया गया है। पिछले 24 घंटों में 2,67,753 रोगियों के ठीक होने के साथ ही स्वस्थ होने वाले मरीजों (महामारी की शुरुआत के बाद से) की कुल संख्या बढ़कर 3,70,71,898 हो गई है। भारत में स्वस्थ होने की दर 93.15 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में 2,55,874 नए मरीज सामने आए हैं। वर्तमान में 22,36,842 सक्रिय रोगी हैं। वर्तमान में ये सक्रिय मामले देश के कुल पुष्टि वाले मरीजों का 5.62 प्रतिशत हैं। देश भर में जांच क्षमता का विस्तार लगातार जारी है। पिछले 24 घंटों में कुल 16,49,108 जांच की गई हैं। भारत ने अब तक कुल 71.88 करोड़ (71,88,02,433) जांच की गई हैं। देश भर में जांच क्षमता को बढ़ाया गया है, साप्ताहिक पुष्टि वाले मामलों की दर 17.17 प्रतिशत है, दैनिक रूप से पुष्टि वाले मामलों की दर 15.52 प्रतिशत है।

कोरोना के मामले को लेकर अलग-अलग राज्यों में स्कूल खोलने को लेकर फैसला बाकी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। बीते 24 घंटे में 255,874 नए मामले सामने आए हैं। कोविड की तीसरी लहर आ चुकी है विशेषज्ञों की माने,तब तीसरी लहर का पीक चल रहा है।इसके छात्र कोरोना से सुरक्षित रहें इसी को ध्यान में रखकर देश के ज्यादातर राज्यों ने अपने स्कूल बंद कर दिए हैं, और लाइन क्लासेस को शुरु किया गया है। कोरोना के खतरे को देखकर स्कूलों में टीकाकरण कार्यक्रम भी तेजी से चलाया जा रहा है।इस बीच राज्यों ने अपने यहां कोविड के मामलों को देखकर स्कूलों को खोलने या बंद करने का फैसला किया है।

दिल्ली के स्कूलों में कोरोना के खतरे को देखकर टीकाकरण कार्यक्रम तेजी से चलाया जा रहा है और यहां 85 फीसदी छात्रों का टीकाकरण हो चुका है।दिल्ली में कोविड के मामलों में भी गिरावट आई है।इसकारण उम्मीद है कि जल्दी स्कूल खोलने को लेकर कोई निर्णय लिया जा सकता है। फिलहाल दिल्ली में स्कूल बंद हैं, हो सकता है छात्रों के 100 प्रतिशत टीकाकरण के बाद यहां स्कूल खुल जाएं। महाराष्ट्र में 24 जनवरी से स्कूल खोलने की इजाजत दे दी गई है। हालांकि आखिरी फैसले का अधिकार वहां की लोकल अथॉरिटी को दिया गया है।बता दें पुणे में अभी स्कूल नहीं खुले हैं। उत्तर प्रदेश में कोरोना के हालात और खतरे के मद्देनजर फिलहाल 30 जनवरी तक स्कूलों को बंद कर दिया गया है। यहां ऑनलाइन क्लासेस को अनुमति दी गई है लेकिन फिजिकल क्लासेस नहीं होंगी। बिहार सरकार ने बढ़ते कोरोना के मामलों को देखते हुए 6 फरवरी तक स्कूलों को बंद करने का निर्णय लिया है।

कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर पंजाब में 25 जनवरी तक स्कूल कॉलेज बंद हैं। यहां पर ऑनलाइन क्लासेस चल रही हैं। हरियाणा में भी 26 जनवरी तक सब बंद कर दिया गया है।

एनडीए और महागठबंधन दोनों में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बिहार में स्थानीय निकाय कोटे से चौबीस सीटों के लिए होने वाले विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और मुख्य विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नीत महागठबंधन में अब तक सीटों के बंटवारे को लेकर अंतिम फैसला नहीं हो सका है। बिहार में राजग के प्रमुख घटक सत्तारूढ़ भाजपा और जदयू में भी सीटों को लेकर खींचतान की स्थिति बनी हुई है। भाजपा 13 सीटों पर चुनाव लड़ने के फैसले पर अड़ी हुई है और वह सीटों के बंटवारे में किसी प्रकार का समझौता करने के मूड में नहीं है। जबकि जदयू 12-12 सीटों पर लड़ने की बातें कह रहा है। वहीं, राजद नीत महागठबंधन में भी सीटों को लेकर अभी तक असमंजस की स्थिति बनी हुई है। भाजपा की ओर से सीटों को लेकर इस बात की पुष्टि तब हुई जब मंगलवार को यहां बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद डा. संजय जायसवाल से घटक विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) को सीट देने के मुद्दे पर सवाल किया गया। उनसे जब पूछा गया कि वीआईपी ने विधान परिषद के चुनाव में चार सीटें देने या फिर पार्टी द्वारा अकेले सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही गई है तो इस पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चेहरे पर एक मुस्कान उभर आई। हालांकि उन्होंने इस पर कोई जवाब नहीं दिया लेकिन उनकी मुस्कान यह बता रही थी कि वह वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी की धमकी को कितनी गंभीरता से ले रहे हैं। भाजपा पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि वह घटक दल वीआईपी को कोई सीट नहीं देने जा रही है।

गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होंगे 75 विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इस बार का गणतंत्र दिवस परेड कुछ खास होने वाला है। इस बार की परेड में इतिहास में पहली बार 75 विमानों का फ्लाई पास्ट होगा। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि 75 विमानों का भव्य फ्लाई-पास्ट सांस्कृतिक प्रदर्शन, 75 मीटर लंबाई के 10 स्क्रॉल का प्रदर्शन और 10 बड़े एलईडी स्क्रीन लगाए जाने जैसे कार्यक्रम बुधवार को गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार होंगे। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि गणतंत्र दिवस परेड-2022 भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में हो रही है जिसे पूरे देश में आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। ग्रैंड फिनाले और परेड के सर्वाधिक प्रतीक्षित खंड फ्लाई-पास्ट में पहली बार भारतीय वायुसेना के 75 विमान आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में दिखेंगे। मंत्रालय ने कहा कि पहली बार भारतीय वायुसेना ने फ्लाई-पास्ट के दौरान कॉकपिट का वीडियो दिखाने के लिए दूरदर्शन के साथ तालमेल बैठाया है। बयान में कहा गया कि राफेल, सुखोई, जगुआर, एमआई-17, सारंग, अपाचे और डकोटा जैसे पुराने और वर्तमान आधुनिक विमान फ्लाई-पास्ट में राहत, मेघना, एकलव्य, त्रिशूल, तिरंगा, विजय और अमृत सहित विभिन्न संयोजन (फॉर्मेशन) का प्रदर्शन करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि पहली बार परेड के दौरान राजपथ पर 75 मीटर लंबाई और 15 फुट ऊंचाई के 10 स्क्रॉल प्रदर्शित किए जाएंगे। बयान में कहा गया, %वे (स्क्रॉल) रक्षा और संस्कृति मंत्रालयों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कला कुंभ कार्यक्रम के दौरान तैयार किए गए थे।% ये स्क्रॉल दो चरणों में भुवनेश्वर और चंडीगढ़ में देशभर के 600 से अधिक प्रसिद्ध कलाकारों और युवा कलाकारों द्वारा चित्रित किए गए थे। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पहली बार परेड में सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शन करने वाले कलाकारों का चयन राष्ट्रव्यापी

प्रतियोगिता के जरिए किया गया है। इसने कहा कि प्रतियोगिता वंदे भारतम 323 समूहों में लगभग 3,870 नर्तकों की भागीदारी के साथ जिला स्तर पर शुरू हुई थी जिसमें कलाकार नवंबर और दिसंबर में दो महीने की अवधि में राज्य और जोनल स्तर तक के कार्यक्रमों में पहुंचे।

सुविचार

थोड़े दिन रहने वाली विपत्ति अच्छी है क्यों कि उसी से मित्र और शत्रु की पहचान होती है। - रहीम

संपादकीय

शेयरों में गिरावट

कोरोना महामारी के समय भी जिस भारतीय शेयर बाजार को हम चढ़ते हुए देख रहे थे, क्या वह अब बुरे दौर से गुजरने लगा है? सोमवार को सप्ताह के पहले ही दिन शेयर बाजार में भारी गिरावट ने तमाम संभावनाओं और आशंकाओं पर सोचने को मजबूर कर दिया है। सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों में ढाई फीसदी से अधिक की गिरावट देखी गई है। सेंसेक्स 1545.67 अंकों का गोता लगाकर 57,491.51 के स्तर पर बंद हुआ है, जबकि निफ्टी 468.05 अंक गिरकर 17,149.10 पर पहुंच गया है। कुछ अचरज भी होता है कि देश का आम बजट आने वाला है और शेयर बाजार में लगातार पांचवें दिन गिरावट दर्ज हुई है। सोमवार को शेयर बाजार को करीब 10 लाख करोड़ रुपये तक का नुकसान हुआ है। पिछले पांच दिन में सेंसेक्स करीब 3,900 अंक टूट चुका है। पांच दिन में निवेशकों को 17 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। सिरमौर समझी जाने वाली चंद कंपनियों ने भी निराश किया है। गौर करने वाली बात है कि सोमवार को अर्थव्यवस्था के लगभग सभी सेक्टर्स में कमजोरी देखी जा सकती है, रियल एस्टेट, मेटल, मीडिया, आईटी और ऑटो में सबसे ज्यादा कमजोरी देखने को मिली है। बैंकों के शेयर भी दबाव में हैं और कुल मिलाकर आश्वस्त भाव से यह नहीं कहा जा सकता कि फलां कारोबारी सेक्टर अभी सही है। हालांकि, इस गिरावट के बावजूद कुछ कंपनियां ऐसी भी हैं, जो अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। सब कुछ निराशाजनक नहीं है, लेकिन यह सोचने वाली बात है कि ऐन बजट से पहले शेयर बाजार को क्या होने लगा है? सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों, टीसीएस और इन्फोसिस को 1,09,498.10 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। बजट सत्र से पहले ऐसे तनाव या गिरावट को व्यावसायिक रूप से बहुत अस्वाभाविक नहीं मानना चाहिए, लेकिन इस गिरावट की नैतिकता या वजह पर बहस जरूर हो सकती है। देश के आम बजट में लगभग सप्ताह भर का समय बचा है। ऐसे में, दो-तीन संभावनाओं पर हमें गौर करना चाहिए। जो बाजार कोरोना महामारी के समय भी तेजी से बढ़ रहा था, वह बिना किसी ठोस कारण के लुढ़क रहा है, तो क्या इसके पीछे बड़े निवेशकों की कोई रणनीति है? क्या बजट से ठीक पहले शेयर बाजार अपनी खुशनुमा स्थिति को छिपाकर किसी निराशा का प्रदर्शन करना चाहता है? क्या निवेशकों को बजट से कोई ऐसी उम्मीद है, जिसे पूरा करने की दिशा में वे सक्रिय हो गए हैं या उन्हें कोई प्रतिकूल सूचना मिल गई है? शायद भारत में जो लोग पूंजी के प्रवाह को नियंत्रित करते हैं, वे बढ़ते अमीर व गरीब की सूची सामने आने के बाद सक्रिय हुए हैं। दुनिया भर में ऐसे अमीर भी हैं, जो आगे बढ़कर बोल रहे हैं कि जब दुनिया मुसीबत में है, तब उसकी बेहतरी के लिए हम पर टैक्स लगा लीजिए। कोरोना के मुश्किल समय में भी भारत में चालीस से ज्यादा नए अरबपति पैदा हो गए हैं। मुश्किल समय में भी शेयर बाजार में पूंजी बढ़ने की वजह सामने आ चुकी है। शायद चंद पूंजीपतियों को लग रहा होगा कि आगामी बजट में उनको मिल रही कुछ रियायत भी छिनेगी और वे कोई नया आर्थिक पैकेज लेने में नाकाम होंगे। ऐसे में, शेयर बाजार का तनाव में आना स्वाभाविक है, लेकिन उससे ज्यादा जरूरी है कि छोटे निवेशकों का सावधान रहना।

बढ़ती आर्थिक असमानता के खतरे समझें

विश्वनाथ सचदेव

'वर्ल्ड इकानॉमिक फोरम' के दावोस सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनियाभर के उद्यमियों को भारत में आकर व्यवसाय करने की दावत दी है। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि भारत आर्थिक विकास की दिशा में तेज़ी से बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत दुनिया को आशा का एक सुंदर गुलदस्ता दे रहा है। इसमें हम भारतीयों की जनतंत्र में अटूट आस्था है, 21वीं सदी को सशक्त बनाने वाली तकनीक है और हमारी वह प्रतिभा और स्वभाव है जो दुनिया को प्रेरणा दे सकता है। आज़ादी के अमृत महोत्सवी वर्ष में दुनिया को भारत का यह संदेश निश्चित रूप से भरोसा दिलाने वाला है और हम भारतीयों को भी इस बात का अहसास कराने वाला है कि 'अच्छे दिन' कहीं आस-पास ही हैं। इन पिछले 75 सालों में जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में हमने बहुत कुछ अर्जित किया है, जिस पर हम गर्व कर सकते हैं। दुनिया को उम्मीद का जो गुलदस्ता देने की बात प्रधानमंत्री ने दावोस सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए की है, वह गुलदस्ता हम भारतीयों के लिए भी है। इस बारे में दुनिया के देश क्या सोच रहे हैं, क्या कह रहे हैं यह तो आने वाला कल ही बताएगा, पर वर्ल्ड इकानॉमिक फोरम के इसी सम्मेलन में 'आक्सफेम' की एक रिपोर्ट भी सामने आयी है, जिस पर हम भारतीयों को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। इस रिपोर्ट में कुछ आंकड़े हैं जिनका हमारे जीवन से सीधा रिश्ता है। ये आंकड़े हमारी गरीबी के संबंध में हैं। 'आक्सफेम' द्वारा जारी की गयी इस रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2020 से लेकर नवंबर 2021 तक की अवधि में भारत में साढ़े चार करोड़ से अधिक लोग 'अति गरीबी' की स्थिति में पहुंच गये हैं। पूरी दुनिया में जितने लोग गरीबी की इस स्थिति में हैं उसकी आधी संख्या है यह। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह अवधि कोरोना-काल की है, जिसमें सारी दुनिया ने आर्थिक मार को झेला है, लेकिन हमारी स्थिति अधिकांश देशों की तुलना में कहीं अधिक चिंताजनक है। आक्सफेम की रिपोर्ट बताती है कि हमारे देश में इस कोरोना-काल में 84 प्रतिशत परिवारों की कमाई में कमी आयी है। जहां तक बेरोज़गारी का सवाल है, शहरी क्षेत्रों में यह दर पंद्रह प्रतिशत से भी अधिक हो गयी है, स्वाभाविक है ग्रामीण क्षेत्रों में यह बेरोज़गारी और अधिक होगी। बेरोज़गारी के साथ यदि महंगाई के आंकड़े भी जोड़ दिये जाएं तो स्थिति की भयावहता और बढ़ जाती है। इस स्थिति का तकाज़ा है कि आज जब हम आर्थिक विकास की दिशा में बढ़ते कदमों की बात करें तो इस गरीबी और बेरोज़गारी की तरफ भी नज़र रखें। उम्मीद का जो गुलदस्ता हम दुनिया को दे रहे हैं उसकी गंध देश के उन अस्सी करोड़ परिवारों तक भी पहुंचनी चाहिए जिन्हें कोरोना-काल में मुफ्त खाद्यान्न देने की ज़रूरत देश को पड़ गयी थी। यह ज़रूरत इस बात का भी स्पष्ट संकेत है कि 'अच्छे दिनों' की आहट की जो बात हम करते हैं, वह अभी बहुत धीमी है। भारत में यह मौसम चुनावों का है। देश के पांच राज्यों में चुनावों का शोर सुनाई दे रहा है। हर राजनीतिक दल अपनी खूबियों के बजाय प्रतिपक्षी की कमियों की ओर इशारा करने में लगा है। नये-नये सामाजिक समीकरण बनाये जा रहे हैं, धार्मिक और जातीय ध्रुवीकरण की कोशिशों के शोर में गरीबी का ज़रूरी मुद्दा कहीं खो-सा गया है। लगभग आधी सदी पहले हुए एक राष्ट्रीय चुनाव में गरीबी सबसे बड़ा मुद्दा बना था। 'गरीबी हटाओ' के नारे पर चुनाव जीता गया था तब। मतदाता ने उम्मीद की थी कि यह सिर्फ नारा या जुमला नहीं रहेगा। पर उम्मीद पूरी नहीं हुई। ऐसा नहीं है कि इस दौरान हमारी सरकारों ने इस दिशा में कुछ करना नहीं चाहा, पर हकीकत यह है कि कोशिश के पीछे उस ईमानदारी का अभाव था जो होनी चाहिए थी। इसी का परिणाम है कि पूरी दुनिया में गरीबी के जाल में फंसे लोगों की आधी संख्या हमारे भारत में है। आज हमारे नेता कभी हमें मंदिर-मस्जिद के नाम पर भरमाते हैं और कभी राजपथों की लम्बाई तथा मूर्तियों की ऊंचाई के नये प्रतिमानों से। आर्थिक असमानता और विषमता के प्रतिमान भी हमने स्थापित कर रखे हैं इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा। कुछ अर्सा पहले एक रिपोर्ट आयी थी वैश्विक गैर-बराबरी के बारे में। इसके अनुसार देश की राष्ट्रीय आय का आधे से अधिक हिस्सा उस तबके के पास जा रहा था जिसे 'सुपर रिच' कहा जाता है और आधे भारतीय राष्ट्रीय आय के 13 प्रतिशत पर गुज़ारा करने के लिए मज़बूर हैं। हमारे मध्यम वर्ग और निम्न मध्यम वर्ग की स्थिति भी गरीबी की स्थिति से बहुत अच्छी नहीं है। इस वर्ग को राष्ट्रीय आय का लगभग एक तिहाई हिस्सा ही मिलता है। सवाल उठता है यह आर्थिक स्थिति हमारी राजनीति का, हमारे चुनावों का मुद्दा क्यों नहीं बनती? हैरानी की बात है कि चुनाव प्रचार में हमारे राजनेताओं को इस संदर्भ में कुछ कहने की आवश्यकता महसूस नहीं होती। चुनाव का सारा गणित जातियों के आधार पर चल रहा है। जाति के आधार पर टिकट बंटते हैं, जाति के आधार पर वोट मांगे जाते हैं- और वोट दिये भी जाते हैं! बढ़ती आर्थिक

असमानता और सामाजिक अस्थिरता हमारी राजनीति का विषय कब बनेगी? कोरोना-काल में देश के अस्सी करोड़ परिवारों का मुफ्त पेट भरने का दावा करने वालों को इस बात की चिंता कब होगी कि अस्सी करोड़ परिवारों को मांग कर खाने के लिए मज़बूर क्यों होना पड़ा? आज हमारे राजनीतिक दल आश्वासनों का ढेर लगा रहे हैं। एक-दूसरे से बढ़-चढ़कर बोली लग रही है मतदाताओं को मुफ्त सुविधाएं देने की। मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, सम्मान निधि के नाम पर दी जाने वाली आर्थिक सहायता, मुफ्त गैस, मुफ्त लैपटॉप... इस सबकी ज़रूरत ही अपने आप में एक शर्मनाक स्थिति को बयां करती है। स्पष्ट है, हमारी नीतियों में कहीं न कहीं बहुत बड़ा खोट रहा है। हकीकत यह भी है कि हमारा राजनीतिक नेतृत्व दावा भले ही कुछ भी करता रहे, पर उसकी राजनीति का उद्देश्य सत्ता पाना, सत्ता में बने रहना ही रहा है। बदलनी चाहिए यह स्थिति। सत्ता नहीं, सेवा होना चाहिए हमारी राजनीति का उद्देश्य। बात तो सब करते हैं सेवक होने की, पर सेवा के नाम पर मेवा कमाने की प्रवृत्ति कम नहीं हो रही। पिछले दो साल में 'अति गरीबी' में पहुंच जाने वाले 4.6 करोड़ लोग यह सवाल पूछ रहे हैं—चुनाव-दर-चुनाव हमारे नेताओं की सम्पत्ति दोगुनी-तिगुनी कैसे हो जाती है? कैसे इन दो साल में देश में अरबपतियों की संख्या 102 से 142 हो गयी? उनकी सम्पत्ति 23.1 लाख करोड़ से बढ़कर 53.2 लाख करोड़ हो गयी? मैं दोहराना चाहता हूं, बढ़ती असमानता सामाजिक अस्थिरता को बढ़ा रही है। यह एक खतरनाक स्थिति का संकेत है। कोई सुन रहा है इस खतरे की आहट?

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन का गिरता ग्राफ

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

केवल और केवल एक साल की अवधि में ही अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन की लोकप्रियता में तेजी से गिरावट देखने को मिल रही है। एक सर्वे के अनुसार मात्र 11 प्रतिशत अमेरिकी नागरिक, बाइडन के कार्यकाल को एक्सीलेंट की श्रेणी में रख रहे हैं तो 37 फीसदी लोगों ने उन्हें पूरी तरह से विफल राष्ट्रपति माना है। एक समय था जब बड़बोले डोनाल्ड ट्रंप का विवादों से स्थाई नाता माना जाता था पर बाइडन के पिछले एक साल के कार्यकाल का विश्लेषण करने पर निराशा ही मिल रही है। दरअसल बाइडन को सबसे अधिक अलोकप्रिय बनाने में अफगानिस्तान को तालिबान के हवाले करने का निर्णय माना जाता है। माना जाता था कि बड़बोले डोनाल्ड ट्रंप की तुलना में बाइडन अच्छे राष्ट्रपति सिद्ध होंगे पर जो एक कुशल प्रशासक और देशहित में कठोरतम निर्णय लेने की आशा बाइडन से अमेरिकी नागरिक लगाए बैठे थे उन्हें निराशा ही हाथ लगी है। सर्वे के अनुसार तो अब उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की लोकप्रियता भी लगातार कम हो रही है। कारण साफ हैं पिछले एक दशक से लोगों की मानसिकता में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। इस दशक के लोगो को कठोर कदम उठाने वाले व्यक्तित्व की जरूरत हो गई है। आज दुनिया के देशों में एक नजर घुमा कर देखेंगे तो कठोर निर्णय लेने वाले राष्ट्राध्यक्षों को हाथोंहाथ लिया जा रहा है। राष्ट्रवाद तेजी से फैला है। बल्कि यह कहो तो अधिक सही होगा कि आज अति राष्ट्रवाद का युग देखा जा रहा है। इसका एक बड़ा उदाहरण तो हिन्दुस्तान में ही देखा जा सकता है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दुनिया के देशों में उनके कठोर निर्णयों के कारण जाना जाने लगा है। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन से नाराजगी का एक बड़ा कारण अफगानिस्तान से सेना की वापसी है। अमेरिका ही नहीं अपितु दुनिया के अधिकांश देशों को अमेरिका का यह निर्णय लौट के बुद्धू घर को आए जैसा हो गया है। आज अमेरिका के इस निर्णय से तालिबानी विस्तारवादी ताकतों को मजबूत होने का अवसर मिला है तो दूसरी ओर अफगानिस्तानी नागरिक तालिबान के रहमोकरम पर आ गए हैं। न्यूजविक जैसे अखबार ने बाइडन की गिरती साख चिंता व्यक्त की है। अफगान नीति की विफलता या यों कहें कि अफगानिस्तान नीति में गलती किसी ने की हो पर सेना की वापसी से अमेरिकी और दुनिया के देश हताश हुए हैं। सारी दुनिया पिछले दो सालों से कोरोना के नित नए वैरियंट से दो-चार हो रही है। कोरोना की पहली लहर हो या दूसरी या तीसरी जिस तरह से अमेरिका में संक्रमण और मौत का सिलसिला चला उससे भी बाइडन की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। पिछले एक साल में कोरोना से निपटने में भी बाइडन प्रशासन को विफल माना गया है। हालांकि कोरोना विश्वव्यापी महामारी है और भारत जैसे देश तीसरी लहर से दो-चार हो रहे हैं। ओमिक्रोन का असर जिस तरह से देखा गया उससे भी अमेरिकियों में निराशा ही देखी गई है। कोविड के कारण सारी दुनिया की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है। इसमें दो राय भी नहीं पर महंगाई पर नियंत्रण नहीं होना भी बाइडन की विफलता का एक कारण माना जा रहा है। और भी ऐसे अनेक कारण हैं जिससे बाइडन का ग्राफ लगातार डुबकी लगाए जा रहा है। दरअसल राष्ट्रपति बाइडन ने पिछले साल 6 जनवरी को दिए संबोधन में कहा था कि मैं राष्ट्रपति पद की शक्ति में विश्वास रखता हूं और उसका उद्देश्य देश को एकजुट करना है। दरअसल

इस संबोधन पर बाइडन खरे नहीं उतरे हैं, यह अमेरिकियों का मानना है। अफगानिस्तान पर निर्णय से कहीं ना कहीं अमेरिका की ताकत पर प्रश्न उठा है तो लोगों में निराशा ही आई है। एक शक्तिशाली देश जिस तरह से किसी देश को उसके रहमोकरम पर छोड़ आया है वह विश्वसनीयता पर प्रश्न उठाता है। इससे चीन और रूस को भी एक संदेश गया है, जो अमेरिका के एकछत्र ताकत में आई कमी का संदेश है। हालात सामने हैं। सर्वे रिपोर्ट्स चेताने वाली है तो डेमोक्रेट्स में निराशा भी आ रही है। अमेरिका के वर्चस्व में कमी साफ दिखाई देने लगी है। आखिर राष्ट्रवादिता के युग में कठोर निर्णय लेने वाले व्यक्ति की छवि कुछ और ही होती है। अमेरिका की अफगानिस्तान नीति को वहां के नागरिक मैदान छोड़कर भागने जैसा निर्णय मानते हैं। अभी तो पूरे पूरे तीन साल का समय है। ऐसे में बाइडन को अपनी छवि में सुधार लाना होगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज के कार्टून

मन को बांधना

जग्गी वासुदेव

अगर आप मन के परे चले जाएं तो आप पूरी तरह से कर्मिक बंधनों के भी परे चले जायेंगे। आप को कर्मों को सुलझाने में असल में कोई प्रयास नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि जब आप अपने कर्मों के साथ खेल रहे हैं तो आप ऐसी चीज़ के साथ खेल रहे हैं, जिसका कोई अस्तित्व नहीं है। यह मन का एक जाल है। बीते हुए समय का कोई अस्तित्व नहीं है पर आप इस अस्तित्वहीन आयाम के साथ ऐसे जुड़े रहते हैं, जैसे कि वही वास्तविकता हो। सारा भ्रम बस यही है। मन ही इसका आधार है। अगर आप मन से परे चले जाते हैं तो एक ही झटके में हर चीज़ के पार चले जाते हैं। आध्यात्मिक विज्ञान के सभी प्रयास बस इसीलिए हैं कि मन से परे कैसे जाएं? मन की सीमाओं से बाहर जा कर जीवन को कैसे देखें? बहुत से लोगों ने योग को अलग-अलग ढंग से परिभाषित किया है। लोग कहते हैं-'अगर आप ब्रह्मांड के साथ एक हो जाते हैं, तो ये योग है। खुद से परे चले जाते हैं तो योग है। भौतिकता के नियमों से प्रभावित नहीं हैं तो योग है।' ये सब बातें ठीक हैं। अदभुत परिभाषाएं हैं, इनमें कुछ भी गलत नहीं है, मगर अपने अनुभव की दृष्टि से आप इनसे संबंध नहीं बना पाते। किसी ने कहा,'अगर आप ईश्वर के साथ एक हो जाते हैं तो आप योग में हैं। आप नहीं जानते कि ईश्वर कहां हैं तो आप एक कैसे हो सकते हैं? पर पतंजलि ने ऐसा कहा-'मन के सभी बदलावों से ऊपर उठना, जब आप मन को समाप्त कर देते हैं, जब आप अपने मन का एक भाग बनना बंद कर देते हैं, तो ये योग है।' इस दुनिया के सभी प्रभाव आप में सिर्फ मन के माध्यम से ही आ रहे हैं। अगर आप, अपनी पूर्ण जागरूकता में, अपने मन के प्रभावों से ऊपर उठते हैं तो आप स्वाभाविक रूप से हर चीज़ के साथ एक हो जाते हैं। आपका और मेरा अलग-अलग होना, समय-स्थान की सारी भिन्नताएं भी, सिर्फ मन के कारण होती हैं। ये मन का बंधन है। अगर आप मन से परे हो जाते हैं तो समय-स्थान से भी परे हो जाएंगे। अगर आप मन के सभी बदलावों और अभिव्यक्तियों से ऊपर उठते हैं तो आप मन के साथ खेल सकते हैं। अपने मन का उपयोग जबरदस्त तरीके से कर सकते हैं पर अगर आप मन के अंदर हैं तो आप कभी भी मन की प्रकृति को नहीं समझ पायेंगे।

सू-दोकू नवताल -2030

		8	2		1		7	5
				4				1
6	4		5	3	7		8	
7		6		1		5	9	2
	9						6	
1	2	3		9		7		8
	5		1	7	4		2	6
8				2				
4	6		3		8	9		

सू-दोकू -2029 का हल

5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2030

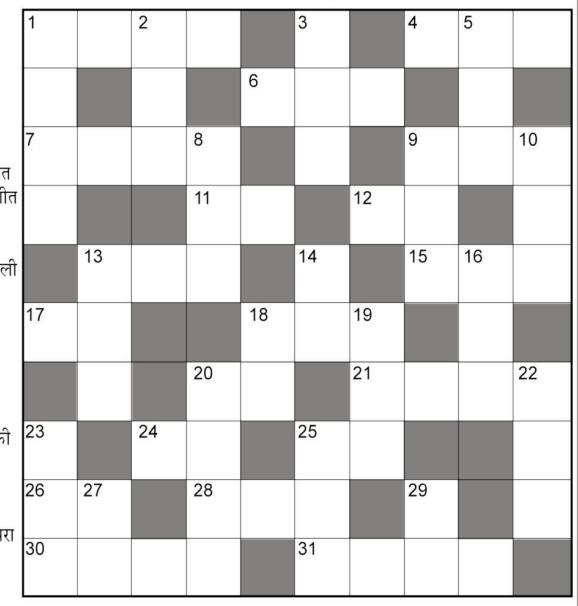

बायें से दायें:-

1. 'वादियां मेरा दामन' गीतवाली फिल्म-4
4. 'बेचारा दिल क्या करे' गीत वाली जीतेन्द्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-3
6. संजय दत्त, काजोल की 'प्यार को हो जाने दो' गीत वाली फिल्म-3
7. 'मुसाफिर हूं यारो' गीत वाली संजीव कुमार, जया भादुड़ी की फिल्म-4
9. रणधीर कपूर, रेखा की 'दिल मचल रहा है' गीत वाली फिल्म-3
11. 'फिल्म प्यार इश्क और मोहब्बत' में ईशा नायर की भूमिका किसने की है-2
12. संजय कपूर, माधुरी की 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-2
13. 'लम्हा लम्हा टूट गए' गीत वाली सोहेल खान, स्नेहा की फिल्म-3
15. नवीन, आशा पारेख की 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली फिल्म-3
17. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-2
18. विश्वजीत, बबीता की 'आंखों में कयामत के काजल' गीत वाली फिल्म-3
20. 'तुझे रब ने बनाया है कमाल' गीत वाली आमिर, फैजल खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2
21. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-4
24. 'आ जा रे ओ मेरे दिलबर आजा' गीत वाली फारुख शेख, पूनम ढिल्लों की फिल्म-2
25. फिल्म 'अग्निपथ' में मिथुन चक्रवर्ती के किरदार का नाम क्या था-2
26. सनी, त बू, रीमा सेन की 'एक लड़की बस गई' गीत वाली फिल्म-2
28. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-3
30. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महिपाल, संध्या की फिल्म-4
31. धर्मेंद्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. 'है इसी में प्यार की आबरू' गीत वाली धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की फिल्म-4
2. विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की 'जिसे जलवों की हसरत हो' गीत वाली फिल्म-3
3. 'बन्नो तेरी अंखियां' गीत वाली सनी देओल, जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की फिल्म-3
5. शशि कपूर, राखी की 'खिलते हैं गुल यहां खिल के बिखर जाने को' गीत वाली फिल्म-3
8. 'गर तुम भुला ना दोगे सपने ये सच ही होंगे' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
9. नासिर खान, मधुबाला की 'ऐ चांद प्यार मेरा तुझसे ये कह रहा' गीत वाली फिल्म-3
10. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-3
13. जैकी श्रॉफ जूही, अमृता सिंह की 'गोरिया रे गोरिया रे मेरा दिल चुराके' गीत वाली फिल्म-3
14. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-2
16. दिलीप कुमार, शर्मिला टैगोर की 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली फिल्म-3
18. 'कुर्ते की बईयां को' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
19. शरद कपूर, पूजा भट्ट की 'घर से मस्जिद' गीत वाली फिल्म-3
20. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली फिल्म-2,2
22. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-3
23. कपिल गुप्ता, आमिर अली, महक चहल की 'आवारा बादल नहीं में' गीत वाली फिल्म-3
15. लोकप्रिय पॉप गीत 'मेड इन इंडिया' की गायिका-3
17. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-2
29. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2029

फि	अ	र		ध	मा	ल		स्मी	ड
दा	ग		ध	र्मा		व	क्त		कै
	र	न		त्मा		र्स		अं	त
डॉ		का	ल		स		ग	जा	
न	सी	ब		प	हे	ली		म	न
	मा		जं	ग	ली		जा		ज
सा		जी		ला		शा	न	दा	र
व	च	न		क	सू	र		दा	
रि		त		हीं		दा	वा		ग
या	दें		शि	का	र		दा	मि	नी

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मारुति सुजुकी इंडिया का एकीकृत शुद्ध लाभ तिसारी तिमाही में घटा

मुंबई । देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 47.82 प्रतिशत घटकर 1,041.8 करोड़ रुपए रह।इस गिरावट का मुख्य कारण मौजूदा सेमीकंडक्टर की कमी और उपयोग करने वाले विभिन्न कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि है। मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर अवधि में उस 1,996.7 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ था। परिचालन से एकीकृत राजस्व तीसरी तिमाही में मामूली गिरावट के साथ 23,253.3 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले 23,471.3 करोड़ रुपए था। तीसरी तिमाही में कुल वाहन बिक्री 13.1 प्रतिशत घटकर 4,30,668 इकाई रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 4,95,897 इकाई थी।

ओयो को बीएसई और एनएसई से सैद्धांतिक मंजूरी मिली

मुंबई । यात्रा प्रौद्योगिकी फर्म ओयो की मूल कंपनी ऑरैवल स्टेज लिमिटेड को सूचीबद्ध होने के लिए बीएसई और एनएसई से सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। ओयो ने 8,430 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए आवेदन दिया है। इस पेशकश के तहत 7,000 करोड़ रुपये का नया निर्गम और 1,430 करोड़ रुपए तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है।कंपनी को हाल ही में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बीएसई से सूचीबद्ध होने की अनुमति मिल गई है। शेयर बाजार आमतौर पर आईपीओ को मंजूरी मिलने वाली होती है,आगे बढ़ने की सुविधा देते हैं।इस तरह के संकेत है, कि कंपनी को जल्द ही बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिल सकती है।

नियमों का पालन नहीं करने पर आरबीआई ने 8 सहकारी बैंकों पर लगाया जुर्माना

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तरफ से आठ सहकारी बैंकों पर नियामकीय अनुपालन में कमियों के लिए जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि एसोसिएट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, सूरत (गुजरात) पर निदेशकों, रिश्तेदारों एवं फर्मों-संस्थाओं को ऋण और अग्रिम और अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) पर मास्टर निर्देशों का अनुपालन नहीं करने के लिए चार लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई ने कहा कि जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता कोष योजना, 2014 के कुछ मानदंडों के उल्लंघन के लिए वराछा सहकारी बैंक लिमिटेड, सूरत पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। मोगवीरा को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, मुंबई पर केवाईसी मानदंडों से संबंधित कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए दो लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। वसई जनता सहकारी बैंक, पालघर पर भी दो लाख रुपये का मौद्रिक जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा, आरबीआई ने राजकोट पीपल्स को-ऑपरेटिव बैंक, राजकोट पर 'निदेशकों, रिश्तेदारों और फर्मों/संस्थाओं, जिनमें वे रुचि रखते हैं, को ऋण और अग्रिम' के निर्देशों के उल्लंघन के लिए एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। भद्राद्री को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक पर आरबीआई पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। कुछ मानदंडों के उल्लंघन के लिए जम्मू सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, जम्मू और जोधपुर नागरिक सहकारी बैंक, जोधपुर पर प्रत्येक पर एक लाख का जुर्माना लगाया गया है। हालांकि, आरबीआई ने कहा कि जुर्माना नियामकीय अनुपालन में कमियों पर आधारित है और यह बैंकों द्वारा अपने संबंधित ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर सवाल नहीं खड़ा करता है।

महामारी के व्यवधानों से काफी हद तक उबर चुकी है भारतीय अर्थव्यवस्था : पनगढ़िया

नयी दिल्ली ।

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने मंगलवार को कहा भारतीय अर्थव्यवस्था महामारी के चलते पैदा हुए व्यवधानों से 'काफी हद तक' उबर चुकी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सुधार का यह क्रम फिलहाल जारी रहेगा तथा 7-8 प्रतिशत की वृद्धि दर फिर बहाल हो जाएगी। पनगढ़िया ने सुझाव दिया कि सरकार को अब वित्त वर्ष 2022-23 में राजकोषीय घाटे को आधा से एक प्रतिशत तक कम करने का संकेत देना चाहिए। जानेमाने अर्थशास्त्री ने बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने कोविड से पहले के जीडीपी के स्तर पर लौटने के लिए काफी हद तक सुधार किया है सिर्फ निजी खपत अभी भी अपने कोविड-19 से पहले के स्तर से नीचे है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुमान के मुताबिक भारती की जीडीपी वृद्धि दर 2021-22 में 9.2 प्रतिशत रहेगी। पनगढ़िया ने कहा यह आंकड़ा किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक है और पुनरुद्धार पूरे देश में हुआ है। भारतीय अर्थव्यवस्था में पिछले वित्त वर्ष के दौरान 7.3 प्रतिशत की गिरावट हुई थी। पनगढ़िया ने कहा कि टीकाकरण के चलते महामारी काबू में आने से पुनरुद्धार जारी रहेगा और 7-8 प्रतिशत वृद्धि का दौर वापस आ जाएगा। पनगढ़िया, जो इस समय कोलंबिया विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं, ने कहा सरकार को अब राजकोषीय घाटे को कम करने पर जोर देना चाहिए, क्योंकि ऐसा नहीं करने पर अगली पीढ़ी के लिए एक बड़ा कर्ज का बोझ तैयार हो जाएगा।

एल्युमीनियम कबाड़ पर सीमा शुल्क बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने की मांग

नई दिल्ली ।

एल्युमीनियम उद्योग ने मोदी सरकार से एल्युमीनियम कबाड़ पर सीमा शुल्क बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने की मांग की है। भारतीय एल्युमीनियम संघ (एएआई) ने कहा कि पर्याप्त घरेलू एल्युमीनियम कबाड़ उत्पन्न करने की क्षमता होने के बावजूद भारत में कबाड़ की खपत लगभग पूरी तरह से आयात पर निर्भर है। प्राथमिक एल्युमीनियम पर वर्तमान में 7.5 फीसदी, डाउनस्ट्रीम एल्युमीनियम पर 7.5 से 10 प्रतिशत और एल्युमीनियम स्क्रैप या कबाड़ पर सिर्फ 2.5 प्रतिशत सीमा शुल्क है। संगठन ने कहा,इसकारण है कि प्राथमिक एल्युमीनियम क्षमता की महत्वपूर्ण उपस्थिति और पर्याप्त घरेलू कबाड़ उत्पन्न करने की क्षमता होने के बावजूद देश में एल्युमीनियम कबाड़ की खपत 100 प्रतिशत आयात पर निर्भर है।इसकारण एल्युमीनियम कबाड़ पर सीमा शुल्क को 2.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर देना चाहिए।'' एल्युमीनियम और एल्युमीनियम कबाड़ पर मूल सीमा शुल्क अन्य अलौह धातुओं जैसे जस्ता, सीसा, निकेल और टिन के अनुरूप नहीं है। यह घरेलू एल्युमीनियम उत्पादकों के लिए एक बड़ा नुकसान है। उद्योग को इसके अलावा मूल सीमा शुल्क की दर या अधिकतम सीमा शुल्क दर मौजूदा 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की उम्मीद है। उद्योग के अनुसार, एल्युमीनियम कबाड़ के बढ़ते आयात से प्राथमिक एल्युमीनियम उद्योग को गंभीर खतरे का सामना करना पड़ रहा है। कुल आयात में एल्युमीनियम कबाड़ की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2015-16 में 52 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2020-22 में 66 प्रतिशत हो गई। इसके कारण 15,000 करोड़ रुपये के बराबर की विदेशी मुद्रा का नुकसान हुआ है।

मई अंत और जून की शुरुवात में आकाश में उड़ान भरेगी आकाश एयर

मुंबई ।

विमानन कंपनी आकाश एयर ने कहा है कि वह बोइंग 737 मैक्स विमान मिलने के साथ ही मई के अंत में या जून की शुरुआत में उड़ान भरेगी है। कंपनी ने कहा कि वह देश में भरोसेमंद और किफायती सेवाओं के साथ हवाई यात्रा को और अधिक लोकतांत्रिक बनाने का काम करेगी। चर्चित निवेशक राकेश झुनझुनवाला समर्थित विमानन कंपनी मार्च, 2023 के अंत तक अपने बेड़े में 18 विमानों को जोड़ने की तैयारी कर रही है। विमानन कंपनियों पर कोरोना के चलते संकट के बादल छाने के बावजूद कंपनी के अधिकारी अत्यधिक आशावादी हैं। उन्होंने कहा, यदि आप भारत में वाणिज्यिक विमानन के दीर्घकालिक भविष्य को देख तब यह दुनिया में किसी भी दूसरी जगह की तरह ही रोमांचक है।''

अधिकारी ने कहा कि भारतीय विमानन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और आकाश एयर का मानना है कि वर्तमान दौर अस्थायी है तथा ये बीत जाएगा। आकाश एयर किफायती विमान वाहक के रूप में उड़ान भरेगी और कंपनी ने 72 बोइंग 737 मैक्स विमानों के लिए ऑर्डर दिया है,जिसमें ईंधन की खपत कम होती है। आकाश एयर शुरुआत में महानगरों से दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों के लिए सेवाएं शुरू करेगी। पहले महानगरों से महानगरों के लिए भी उड़ानें होंगी। उन्होंने बताया कि आकाश एयर मुख्य रूप से पेशेवर रूप से प्रबंधन, प्रतिस्पर्धी लागत संरचना, ग्राहकों की संतुष्टि, कर्मचारियों की खुशी और एयरलाइन की आर्थिक सेहत पर जोर देगी। हमें अपना पहला विमान अप्रैल के उत्तरार्ध में मिलने की उम्मीद है,पहली वाणिज्यिक उड़ान मई के अंत या जून की शुरुआत में चालू होगी।कंपनी ने भर्ती शुरू कर दी है और वह अन्य प्रक्रियाओं को अंतिम रूप दे रही है। इस समय विमानन कंपनी के पास 50 से अधिक कर्मचारी हैं।विमानन क्षेत्र को लेकर हम उत्साहित हैं। इसका एक कारण यह है कि ज्यादातर पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत में कुछ लोगों ने ही उड़ान भरी है। आने वाले वर्षों में यह सब बदलने वाला है और हम उस बदलाव का हिस्सा बनना चाहते हैं। हम इस बदलाव और हवाई यात्रा के लोकतंत्रीकरण में योगदान करना चाहते हैं।''

शेयर बाजार तेजी साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन पिछले पांच कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट रुकी और बीएसई सेंसेक्स ऊपर आया। बाजार में यह बढ़त मारुति, एक्सिस बैंक और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में आई तेजी के साथ ही यूरोपीय बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 366.64 अंक करीब 0.64 फीसदी बढ़कर 57,858.15 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 128.85 अंक तकरीबन 0.75 फीसदी ऊपर आकर 17,277.95 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा करीब सात फीसदी की बढ़त मारुति के शेयरों में रही। इसके अलावा, एक्सिस बैंक, एसबीआई, इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल और एनटीपीसी के शेयर भी ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर विप्रो, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी लि. और आरआईएल के शेयर गिरे हैं।

बैंकों के शेयर भागे

निफ्टी ने भी 2.05 फीसदी की बढ़त हासिल की है। ये 759.20 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 37706.80 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 के शीर्ष 5 कंपनियों में एक्सिस बैंक , एसबीआई और इंडसइंड बैंक के शेयर रहे। वहीं इंडेक्सेज़ की बात करें तो पीएसयू बैंक्स में 4 फीसदी से भी ज्यादा तेजी आई। इसके बाद ऑटो क्षेत्र में 2 फीसदी से अधिक तेजी रही। वहीं आईटी इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुआ। निफ्टी 50 में सबसे ज्यादा नुकसान विप्रो , बजाज फिनसर्व , टाइटन कंपनी , इंफोसिस और टेक महिंद्रा के शेयरों में हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में खुलते ही 900 अंक से अधिक की गिरावट आई है। यह गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही विप्रो, आरआईएल और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट से आई है। बाजार जानकारों के अनुसार विदेशी निवेशकों की बिकवाली और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के मौद्रिक नीति को सख्त करने की खबर से भी घरेलू बाजार नीचे आया है।

सेबी ने ईएसजी रेटिंग एजेंसियों के नियमन के लिए रूपरेखा प्रस्ताव पेश किया

नई दिल्ली । बाजार नियामक सेबी ने पर्यावरण, सामाजिक एवं कामकाज के संचालन (ईएसजी) से संबंधित रेटिंग देने वाली फर्मों के नियमन के लिए सोमवार को एक प्रारूप प्रस्ताव पेश किया। सेबी ने अपने परामर्श पत्र में कहा कि 10 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य वाली क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां एवं विश्लेषक फर्में ही ईएसजी रेटिंग सेवा प्रदाता (ईआरपी) के तौर पर स्वीकार्य मानी जाएंगी। किसी भी सूचीबद्ध कंपनी को ईएसजी मानकों पर अपनी रेटिंग हासिल करने के लिए सिर्फ मान्यताप्राप्त ईआरपी से ही सेवा लेनी जरूरी होगी। इसके अलावा सेबी ने यह भी कहा है कि ईएसजी रेटिंग प्रदाताओं को कंपनी के संबंधित क्षेत्र का भी उल्लेख करना चाहिए। मसलन, कार्बन जोखिम रेटिंग का उल्लेख ईएसजी रेटिंग के तौर पर नहीं किया जाना चाहिए। परामर्श पत्र के मुताबिक, ईआरपी को कम-से-कम एक रेटिंग उत्पाद की पेशकश जरूर करनी चाहिए। हितधारकों के बीच किसी भी तरह के संदेह से बचने के लिए यह प्रस्ताव भी रखा गया है कि ईआरपी को हमेशा ही उचित शब्दावली का प्रयोग करना चाहिए।

फेडरल बैंक का तीसरी तिमाही का शुद्ध मुनाफा 29 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई ।

निजी क्षेत्र के फेडरल बैंक दिसंबर, 2021 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही का शुद्ध मुनाफा 29 प्रतिशत बढ़कर 522 करोड़ हुआ है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में बैंक ने 404.10 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया था। फेडरल बैंक ने कहा कि तीसरी तिमाही के दौरान उसकी कुल आय लगभग अपरिवर्तित यानी 3,926.75 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले 3,934.90 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) बढ़कर 3.06 प्रतिशत हो गई, जबकि 2020-21 की तीसरी तिमाही के अंत में यह 2.71 प्रतिशत थीं। बैंक का शुद्ध एनपीए भी अक्टूबर-दिसंबर, 2021 में बढ़कर कुल अग्रिम का 1.05 प्रतिशत हो गया, जबकि एक साल पहले यह 0.60 प्रतिशत था। डूबा कर्ज बढ़ने के बावजूद कर और आकस्मिक खर्चों के लिए प्रावधान राशि घटकर 213.98 करोड़ रुपये रह गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 414.16 करोड़ रुपये थी।

टीपीसीआई ने खाद्य तथा पेय उद्योग को बढ़ावा देने के लिए आम बजट को लेकर सुझाव दिए

नई दिल्ली ।

भारतीय निर्यात संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) ने खाद्य तथा पेय उद्योग को बढ़ावा देने के मकसद से मोदी सरकार को बजट में देश में बने उत्पादों के प्रचार-प्रसार और विपणन जैसी गतिविधियों के साथ आधुनिक अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिये प्रोत्साहन की घोषणा करने का सुझाव दिया।

परिषद ने साथ ही एसईजेड (विशेष आर्थिक क्षेत्र) इकाइयों को कच्चे माल के शुल्क मुक्त आयात की अनुमति देने का भी सुझाव दिया है। टीपीसीआई ने उद्योग के लिए इनपुट टैक्स क्रेडिट की भी मांग की।

इसके अलावा खाद्य क्षेत्र में परीक्षण के लिए सब्सिडी, खाद्य और पेय पदार्थ तकनीकी मशीनरी विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए कोष और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उद्यम) के लिए ब्याज सहायता योजना की मांग की है। भारतीय निर्यात संवर्धन परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक ने कहा, अर्थव्यवस्था के लिहाज से कृषि और खाद्य क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं। कठिन समय के बावजूद कृषि एवं खाद्य क्षेत्र ने लगातार 20 प्रतिशत से अधिक की मजबूत वृद्धि दर्ज की है।उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में कृषि एवं खाद्य क्षेत्र का निर्यात 40 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है।

कोडेक्स मानक आधारित अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिये पूंजी समर्थन से क्षेत्र को मदद मिलेगी। वर्ष 1963 में स्थापित, कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन (सीएसी) स्वास्थ्य की रक्षा के लिये संयुक्त खाद्य मानक कार्यक्रम की रूपरेखा के अंतर्गत संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित एक अंतर सरकारी निकाय है। इस पहल का मकसद उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य का संरक्षण और खाद्य व्यापार में निष्पक्ष गतिविधियों को सुनिश्चित करना है।

भारत में 9 फरवरी को लांच होगा रेडमी नोट 11-सीरीज का दूसरा फोन

मुंबई ।

भारत में 9 फरवरी को लांच होने वाला है, यह फोन नोट 11-सीरीज का दूसरा फोन है।फोन के पीछे की तरफ क्वाड-कैमरा होने की उम्मीद है,फोन में 108 मैगा पिक्सल का प्राइमरी सेंसर होगा। कंपनी ने अभी तक फोन के डिजाइन का खुलासा नहीं किया है।

लेकिन भारत में रेडमी नोट 11एस की कीमत और फोन के फीचर्स क्या हो, इसकी जानकारी लीक हो गई है।दिलचस्प बात यह है कि इस लीक से पता चलता है कि हैंडसेट 5जी के साथ नहीं आएगा। भारत में रेडमी नोट 11एस की कीमत अपने पहले आए रेडमी नोट 10 एस से 1,000-2,000 रुपये अधिक होगी। रेडमी नोट 10 एस के 6जीबी +64जीबी वैरिएंट की कीमत 14,999 रुपये है।इसका मतलब है, कि हम भारत में रेडमी नोट 11एस की कीमत 16,000-17,000 रुपये के आसपास होने की उम्मीद कर सकते रिपोर्ट के अनुसार,रेडमी नोट 11एस में 6.4-इंच एफएचडी+एमलोयड डिस्प्ले 90एचजेड रिफ्रेश रेट और शायद पंच-होल कटआउट के साथ शामिल होगा। यह डिवाइस 4जीबी/6जीबी रैम और 64जीबी/128जीबी स्टोरेज ऑप्शन में उपलब्ध होगा। स्टोरेज को माइक्रोएसडी कार्ड के जरिए आगे बढ़ाया जा सकता है।33 वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट वाले इस फोन में 5,000एमएएच की बैटरी होगी।फोन में 5जी नेटवर्क सपोर्ट नहीं है।

कोमाकी ने भारतीय बाजार में लांच की इलेक्ट्रिक क्रूजर बाइक, सिंगल चार्ज पर देगी 220 किमी की रेंज

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी कोमाकी ने देश की पहली इलेक्ट्रिक क्रूजर मोटरसाइकिल कोमाकी रेंजर को लॉन्च कर दिया है। बाइक का लुक एवेंजर जैसा है, जिसके चलते पहले भी कई बार यह चर्चा में रह चुकी है।

इस क्रूजर बाइक को तीन अलग-अलग कलर स्कीम में पेश किया गया है, जिसमें गार्नेट रेड, डीप ब्लू और जेट ब्लैक कलर ऑप्शन शामिल हैं। इलेक्ट्रिक बाइक को कंपनी के सभी डीलरशिप पर 26 जनवरी से उपलब्ध कराया जाएगा। फीचर्स की बात करें तो कोमाकी रेंजर में बड़े ग्रॉसर व्हील और क्रोम एक्सटीरियर फीचर्स दिए गए हैं, कोमाकी रेंजर में क्रूजर लुक दिया गया है, जो इससे पहले एवेंजर बाइक में देखने को मिलते थे। इसमें शाइनी क्रोम रेट्रो-थीम वाला गोल एलईडी हेडलैंप दिया गया है। इसके साथ ड्यूल क्रोम गार्निश्ड राउंड-शेप्ड औक्सिलरी लैम्प्स भी मिलते हैं। हेडलैम्प को रेट्रो-थीम वाले साइड इंडिकेटर्स द्वारा फ्लैंक किया गया है। इसके अलावा, मोटरबाइक के रेक्ड वाइड हैंडलबार, सिंगल-पॉड इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, फ्यूल टैंक पर चमकदार क्रोम ट्रीटेड डिस्प्ले कुछ ऐसे डिज़ाइन दिए गए हैं, इसे खास बनाते हैं। कोमाकी ने रेंजर को ब्लूटूथ साउंड सिस्टम, साइड स्टैंड सेंसर, क्रूज कंट्रोल फीचर, एंटी-थेफ्ट लॉक सिस्टम और एक डुअल स्टोरेज बॉक्स से लैस किया है। इस इलेक्ट्रिक क्रूजर बाइक 4 केडब्ल्यू बैटरी पैक के साथ 4,000-वाट मोटर दिया गया है, जो पावर के लिहाज से काफी अच्छा है। कंपनी का कहना है कि इसका बैटरी पैक देश में अब तक के किसी भी इलेक्ट्रिक दोपहिया मोटरसाइकिल में नहीं है। वहीं रेंज की बात की जाए तो, कंपनी का दावा है कि इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल सिंगल चार्ज पर 180-220 किलोमीटर तक की रेंज देने में सक्षम है। कोमाकी रेंजर को भारतीय बाजार में 1.68 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) में लॉन्च किया गया है। इस कीमत में सभी एसेसरीज भी शामिल हैं।

फ्यूचर रिटेल के स्वतंत्र निदेशकों ने अमेजन की मदद की पेशकश ठुकराई

नई दिल्ली ।

फ्यूचर रिटेल के स्वतंत्र निदेशकों ने कंपनी को ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन की वित्तीय सहयोग की पेशकश को ठुकरा दिया है। अमेजन ने निजी इक्विटी फर्म समारा कैपिटल के साथ एक सौदे के जरिए फ्यूचर रिटेल को वित्तीय मदद की पेशकश की है। फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) के स्वतंत्र निदेशकों ने पिछले हफ्ते अमेजन से यह पूछा था कि क्या वह 29 जनवरी को देय 3,500 करोड़ के कर्ज भुगतान पर चूक रोकने के लिए दीर्घावधि कर्ज देने को इच्छुक हैं? इसके जवाब में अमेजन ने कहा था कि वह समारा कैपिटल के जरिए फ्यूचर रिटेल को वित्तीय मदद देने को तैयार है। इस पर फ्यूचर रिटेल लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशकों ने कहा है कि अमेजन ने चूक से बचने के लिए फौरी तौर पर देय रकम फ्यूचर रिटेल के समक्ष नहीं रखी है। उन्होंने यह जानना चाहा कि अमेजन क्या समारा कैपिटल की तरफ से काम कर सकती है? फ्यूचर रिटेल के स्वतंत्र निदेशक रवींद्र धारीवाल ने कहा कि अगर अमेजन वास्तव में उनकी कंपनी की मदद करना चाहती है तो उसे वित्तीय समर्थन का पूरा ढांचा पेश करना होगा। उन्होंने कहा जब तक यह पेशकश कानूनी तौर पर सही नहीं होती है, हम उसे स्वीकार नहीं कर सकते हैं। एफआरएल को 3,500 करोड़ रुपए के कर्ज की किस्त 29 जनवरी को चुकानी है।

अगर वह यह बकाया कर्ज नहीं चुका पाती है, तो इसे एनपीए घोषित कर दिया जाएगा और फिर दिवालिया प्रक्रिया का सामना करना पड़ सकता है।

एशिया कप के सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय महिला हॉकी टीम, सिंगापुर को 9-1 से हराया

मस्कट (एजेंसी)।

भारतीय महिला हॉकी टीम सिंगापुर को 9-1 से हराकर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने इसी के साथ ही स्पेन और नीदरलैंड में होने वाले 2022 एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप में भी अपनी जगह पक्की कर ली है। अब सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला बुधवार को कोरिया से होगा। भारत ने मस्कट में पूल ए के अपने अंतिम मैच में सिंगापुर पर 9-1 की बड़ी जीत दर्ज की। भारत ने अपने पहले मैच में मलेशिया को भी 9-0 से हराया हालांकि उसे जापान के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। सिंगापुर के साथ हुए मुकाबले में भारत की गुरजीत कौर ने 8, 37, 48वें मिनट में गोल कर हैट्रिक लगायी। इसके अलावा मोनिका ने 6 और 17वें मिनट में गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को बढ़ा दिया। इसके बाद ज्योति ने 43 और 58वें मिनट में गोल किये। वंदना कटारिया और मारियाना कुजुर ने भी भारत की ओर से एक-एक गोल दागा। वहीं सिंगापुर की ओर से एकमात्र गोल ली मिन तोह (43) ने किया। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में सिंगापुर के सर्कल में अटैक किया और पहले 15 मिनट में हावी रही। मोनिका ने मैच के छठे मिनट में पहला गोल किया। इसके कुछ ही समय बाद भारत ने वंदना और गुरजीत के गोलों की बदौलत 3-0 की बढ़त बना ली, जिन्होंने 8वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को सफलतापूर्वक गोल में बदला।

अगले मिनट में भारतीय टीम ने मैच का अपना दूसरा पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया। हालांकि सिंगापुर के गोलकीपर यू टोंग लियू ने इसे बचा लिया। चौथा गोल युवा फारवर्ड मारियाना ने 10वें मिनट में किया। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत भी इसी तरह से हुई। भारत ने सिंगापुर दूसरे क्वार्टर के दूसरे मिनट में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। मैच की लय सेट करने वाली अनुभवी मोनिका ने भारत का पांचवां और मैच में अपना दूसरा गोल किया। ड्रैग फ्लिक विशेषज्ञ गुरजीत ने मैच के 37वें मिनट में एक गोल किया। सिंगापुर ने तीसरे क्वार्टर के 43वें मिनट में पेनल्टी कार्नर हासिल किया और ली मिन तोह के प्रयास से पहला गोल किया। इसके बाद भारत की ज्योति ने भी गोल दागा। उन्होंने तीसरे क्वार्टर के अंत में स्कोर को 7-1 पहुंचा दिया जो अंत तक बना रहा।

नये टीकाकरण नियमों से फ्रेंच ओपन खेल सकते हैं नोवाक जोकोविच

पेरिस। (एजेंसी)।

फ्रांस सरकार के कोरोना टीकाकरण के नये नियमों के चलते दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच टीका नहीं लगवाने के बावजूद मई में फ्रेंच ओपन खेल सकते हैं। जोकोविच को आस्ट्रेलिया के कड़े कोरोना टीकाकरण नियमों का पालन नहीं करने के कारण आस्ट्रेलियाई ओपन खेलने की अनुमति नहीं मिली और उन्हें देश से निर्वासित भी कर दिया गया था। शुरू में ऐसा लग रहा था कि वह फ्रेंच ओपन भी नहीं खेल सकेंगे चूंकि फ्रांस में एक नये कानून में भी ऐसे लोगों को स्टेडियम, रेस्त्रां, बार या अन्य सार्वजनिक जगहों पर प्रवेश की अनुमति नहीं है जिन्होंने कोरोना का टीका नहीं लगवाया है।

फ्रांस के खेलमंत्री रोक्साना एम ने कहा है कि जैसे ही कानून पास हो जायेगा, टीकाकरण पास हर सार्वजनिक स्थान पर प्रवेश के लिये अनिवार्य होगा। यह दर्शकों, फ्रेंच या विदेशी पेशेवरों पर भी लागू होगा। सोमवार से लागू हुए इस कानून के तहत पिछले छह महीने में कोरोना संक्रमित होने का सबूत देने वाले व्यक्ति को इस पास को दिखाने की जरूरत नहीं रहेगी। इसके मायने हैं कि जोकोविच मई जून में फ्रेंच ओपन खेल सकते हैं क्योंकि वह दिसंबर के मध्य में संक्रमित हुए थे। फ्रांस के खेल मंत्रालय से जोकोविच के मामले में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं मिल सका है।

विराट कोहली के समर्थन में उतरे रवि शास्त्री, गांगुली और सचिन को लेकर कही यह बात

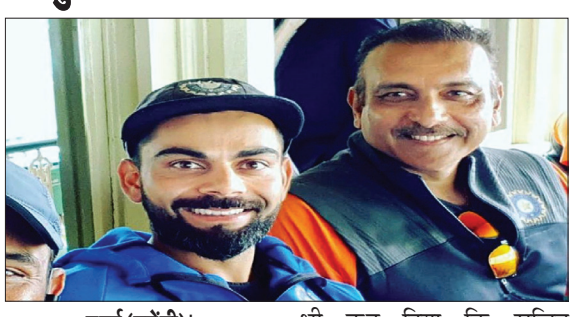

मुबई (एजेंसी)।

टीम इंडिया के पूर्व कोच और अपने जमाने में दिग्गज खिलाड़ी रहे रवि शास्त्री लगातार विराट कोहली के समर्थन में खड़े नजर आ रहे हैं। रवि शास्त्री भारतीय क्रिकेट टीम के साथ बतौर कोच और डायरेक्टर काफी समय तक जुड़े रहे। रवि शास्त्री के लिए सबसे खास बात यह रही कि विराट कोहली के साथ उनकी ट्यूनिंग काफी अच्छी रहे। एक बार फिर से उन्होंने विराट कोहली के बचाव में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया के कई दिग्गज खिलाड़ियों ने अब तक कोई विश्व कप नहीं जीता है। दरअसल, रवि शास्त्री विराट कोहली और टीम इंडिया की कप्तानी विवाद से जुड़े मसले पर अपना बयान दे रहे थे। तभी एक रिपोर्टर ने विराट कोहली के बतौर कप्तान एक भी आईसीसी ट्रॉफी ना जीतने पर सवाल कर लिया।

इस सवाल के जवाब में रवि शास्त्री ने कहा कि टीम इंडिया के बड़े खिलाड़ियों ने भी विश्व कप में जीत हासिल नहीं की है। उन्होंने कहा कि सौरव गांगुली, राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले ने भी कभी विश्वकप नहीं जीता, क्या उन्हें खराब खिलाडी कहेंगे? इतना ही नहीं, रवि शास्त्री ने यह भी कह दिया कि सचिन तेंदुलकर ने 6 विश्वकप खेलने के बाद एक खिताब जीता है। आखिर में आपका आकलन आपके खेल और खेल के दूत के रूप में भूमिका से होता है। आपने कितनी ईमानदारी से खेला और कितने लंबे समय तक खेला। कप्तानी के मसले पर बीसीसीआई से कोहली की ठनने के बारे में उन्होंने कहा कि संवाद महत्वपूर्ण है। मुझे नहीं पता कि उनके बीच क्या बात हुई। मैं उसका हिस्सा नहीं था। दोनों पक्षों से बात किये बिना मैं कुछ नहीं कह सकता। सूचना के अभाव में मुंह बंद रखना ही अच्छा होता है।

शास्त्री ने लीजैंड्स लीग क्रिकेट से इतर बातचीत में कहा कि एक श्रृंखला हारने के बाद लोग आलोचना करने लगते हैं। आप हर मैच नहीं जीत सकते। जीत-हार चलती रहती है। पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद शास्त्री का कार्यकाल समाप्त हो गया था। शास्त्री ने कहा कि उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला की एक गेंद भी नहीं देखी लेकिन उन्होंने यह मानने से इनकार किया कि टीम के प्रदर्शन के स्तर में गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि अचानक प्रदर्शन कैसे गिर सकता है। पांच साल तक आप दुनिया की नंबर एक टीम रहे हैं।

केएल राहुल बोले- ये स्पिनर होगा भारतीय क्रिकेट टीम का अगला स्टार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केएल राहुल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2022 संस्करण में लखनऊ सुपर जायंट्स का नेतृत्व करेंगे और उनसे उम्मीदें बहुत अधिक हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने पिछले चार सत्रों में पंजाब किंग्स (पहले किंग्स इलेवन पंजाब) के लिए ढ़ेर सारे रन बनाए। अब लखनऊ को उनसे और भी अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। इस बीच ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस और अनकैप्ड लेग स्पिनर रवि बिश्नोई दो अन्य खिलाड़ी हैं जिन्हें लखनऊ स्थित फ्रेंचाइजी ने मेगा नीलामी से पहले चुना है। केएल राहुल ने बिश्नोई को लेकर बात की है।

2020 अंडर-19 विश्व कप में भाग ले चुके बिश्नोई अब तक 23 मैचों में 24 विकेट ले चुके हैं जिसमें उनका इकॉनमी रेट 7 से कम था। ये संख्याएँ वास्तव में प्रभावशाली हैं और बिश्नोई के चयन को सही ठहराती हैं। इस स्पिनर की क्षमताओं के बारे में बोलते हुए राहुल ने कहा कि बिश्नोई में बहुत आत्मविश्वास है और आईपीएल में खेलने का दबाव उन पर हावी नहीं हुआ।

राहुल ने कहा कि आईपीएल के पहले मैच से अलग था जो उन्होंने खेला था, एक अंडर-19 विश्व कप से बाहर। आईपीएल एक बड़ा मंच है और ऐसा नहीं लगता कि इस अवसर ने उन्हें बेहतर मंच मिलेगा। वह जंग में रहना चाहता था। वह ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर के खिलाफ गेंदबाजी कर रहे थे और वे वास्तव में स्पिन के अच्छे खिलाड़ी हैं इसलिए मैंने उन्हें गेंद फेंकी और कहा, यह कठिन होने वाला है। उन्होंने कहा, नहीं, कोई बात नहीं, मैं उन्हें निकाल दूंगा। उनका इस तरह का रवैया है। एक छोटे लड़के के लिए उसका दिल बहुत बड़ा है। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने भारतीय क्रिकेट में बिश्नोई को संभावित 'अगली बड़ी चीज' भी कहा। उन्होंने कहा कि वह भारतीय क्रिकेट में अगली बड़ी चीज (खिलाड़ी) हो सकते हैं। जिम्मेदारी हम पर है कि हम उसे अपनी क्षमता का पता लगाने में मदद करें ताकि वह राष्ट्रीय टीम में शामिल हो सके और टीम इंडिया के प्रमुख स्पिनरों में से एक बन सके।

पाकिस्तान सुपर लीग पर मंडराया कोरोना का साया, वसीम अकरम समेत कई खिलाड़ी कोविड पॉजिटिव

पल्लीकेली (एजेंसी)।

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के सातवें सत्र की शुरुआत से पहले कोरोना महामारी का खतर मंडराने लगा है। आपको बता दें कि पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर और कराची किंग्स के अध्यक्ष वसीम अकरम कोरोना की चपेट में आ गए हैं। हाल ही में वसीम अकरम ओमान से लौटे हैं। वहां पर चल रही लीजेंड्स लीग का वो हिस्सा थे। इसके अलावा हैदर अली, वहाब रियाज, कामरान अकमल समेत कई खिलाड़ी पॉजिटिव पाए गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वसीम अकरम के अलावा एक और व्यक्ति की टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जिसके बाद दोनों ने ही खुद को आइसोलेट कर लिया है। इसे कराची किंग्स के लिए बहुत बड़ा झटका माना जा रहा है क्योंकि 27 जनवरी से सुपर लीग के सातवें सत्र की शुरुआत हो रही है। ऐसे में पहला मुकाबला पीएसएल 2021 की विजेता रही मुल्तान सुल्तान और उपविजेता कराची किंग्स के बीच खेला जाना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पीएसएल के शुरुआती 15 मुकाबले कराची में और बाकी के 19 मुकाबले लाहौर में खेले जाएंगे।

पीएसएल का पूरा शेड्यूल

पीएसएल-2022 का पहला मुकाबला 27 जनवरी को खेला जाएगा। जबकि 27 फरवरी को लाहौर में फाइनल मुकाबला खेला जाना है। साल 2016 से शुरू होने वाले पीएसएल में 6 टीमें हिस्सा लेती हैं। जिनमें इस्लामाबाद यूनाइटेड, कराची किंग्स, लाहौर कलंदर, मुल्तान सुल्तान, पेशावर जाल्मी और क्वेटा ग्लैडिएटर्स शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम कर सकती है पाकिस्तान का दौरा, मुख्य चयनकर्ता बेली ने कही यह बात

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया अपने शीर्ष खिलाड़ियों के साथ पाकिस्तान का दौरा करने की तैयारी में है क्योंकि अब तक किसी खिलाड़ी ने देश का दौरा करने को लेकर आशंका नहीं जताई। पाकिस्तान सुरक्षा कारणों से लगभग एक दशक तक शीर्ष अंतरराष्ट्रीय टीम और टूर्नामेंट की मेजबानी नहीं कर पाया है। पाकिस्तान ने पिछली बार अपनी सरजमीं पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के टूर्नामेंट का आयोजन 1996 में किया था जब उसने भारत और श्रीलंका के साथ विश्व कप की सह मेजबानी की थी। 2009 में श्रीलंका की टीम बस पर आतंकी हमले के बाद से देश में 2019 तक टेस्ट क्रिकेट का आयोजन नहीं हो पाया। पिछले साल भी टी20 विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड और इंग्लैंड की टीम सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान दौरे से हट गईं थी। न्यूजीलैंड ने तो मैच से ठीक पहले हटने का फैसला किया। आस्ट्रेलिया की टीम 24 साल में पहले पाकिस्तान दौरे की राह पर है। राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने सुरक्षा योजना को काफी मजबूत करार दिया है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) की वेबसाइट के अनुसार बेली ने कहा कि मेरा मानना है कि दोनों बोर्ड अब भी दौरे को लेकर कुछ मामूली चीजों पर काम कर रहे हैं, इसलिए एक बार इन्हें औपचारिक स्वीकृति मिलने के बाद हम टीम की घोषणा करेंगे लेकिन हम काफी हद तक सही दिशा में जा रहे हैं।

सातवीं बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे नडाल

मेलबर्न। स्पेन के टेनिस स्टार रफेल नडाल सातवीं बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। नडाल ने क्वार्टर फाइनल में डेनिस शापोवालोव को 6-3, 6-4, 4-6, 3-6, 6-3 से हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। अपना रिकॉर्ड 21वां ग्रैंडस्लैम पुरूष एकल खिताब जीतने के करीब आये नडाल और शापोवालोव का मुकाबला बेहद लंबा रहा और यह करीब चार घंटे तक चला। नडाल, रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच के नाम अभी तक 20 पुरूष एकल खिताब हैं। फेडरर और जोकोविच इस बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं हैं। ऐसे में नडाल के पास रिकॉर्ड 21वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने का अच्छा अवसर है। नडाल क्वार्टर फाइनल के पहले दो सेट में हावी रहे हालांकि तीसरे और चौथे सेट में उनकी लय कुछ कमजोर पड़ी पर निर्णायक सेट जीतकर उन्होंने अंतिम चार में प्रवेश किया। नडाल यहां सिर्फ एक बार 2009 में खिताब जीत सके हैं और पिछले 13 में से सात क्वार्टर फाइनल हारे हैं। अब सेमीफाइनल शुक्रवार को होगा इस प्राकर उनके पास दो दिन का समय है। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला सातवीं वरीयता प्राप्त मात्तेओ बेरेत्तिनी या 17वीं रैंकिंग वाले गाएल मोंफिल्स से होगा। वहीं महिला वर्ग में मेडिसन कीस ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में फ्रेंच ओपन चैम्पियन बारबोरा क्रेसिकोवा को 6-3, 6-2 से हराकर लगातार दसवीं जीत दर्ज की। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त ऐश बार्टी और जेसिका पेगुला के होने वाले मुकाबले की विजेता खिलाड़ी से होगा।

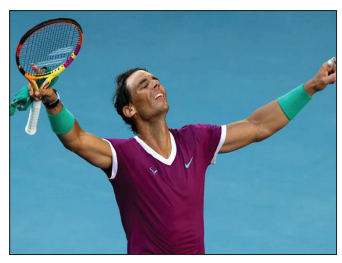

नीरज चोपड़ा को परम विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित करेंगे राष्ट्रपति

नई दिल्ली। ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर परम विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया जाएगा। नीरज चोपड़ा ओलंपिक में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले ट्रैक और फील्ड एथलीट हैं। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद मंगलवार शाम राष्ट्रपति भवन में 384 रक्षा कर्मियों को वीरता और अन्य पुरस्कारों से सम्मानित करेंगे। पुरस्कारों में 12 शौर्य चक्र, 29 परम विशिष्ट सेवा पदक, चार उत्तम युद्ध सेवा पदक, 53 अति विशिष्ट सेवा पदक, तीन विशिष्ट सेवा पदक और 13 युद्ध सेवा पदक, शामिल हैं। इसके अलावा राष्ट्रपति 122 विशिष्ट सेवा पदक, तीन बार सेना पदक (वीरता), 81 सेना पदक (वीरता), दो वायु सेना पदक (वीरता), 40 सेना पदक (कर्तव्य के प्रति समर्पण), आठ नौ सेना पदक (कर्तव्य के प्रति समर्पण) और 14 वायु सेना पदक विजेताओं को भी सम्मानित करेंगे।

शेफाली वर्मा फिर बनीं दुनिया की नंबर एक टी20 बल्लेबाज

दुबई। भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने मंगलवार को आईसीसी टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में फिर से नंबर एक स्थान हासिल कर लिया। आईसीसी की ओर से जारी ताजा टी-20 रैंकिंग में युवा भारतीय बल्लेबाज शेफाली ने ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी बल्लेबाज बेथ मूनी को पछाड़ते हुए 726 रेटिंग अंकों के साथ नंबर एक स्थान हासिल किया। मूनी के पास 724 अंक हैं। इस 18 वर्षीय (शेफाली) भारतीय महिला क्रिकेट ने पहली बार आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2020 के दौरान शीर्ष स्थान हासिल किया था। रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की कप्तान मेग लैनिंग 719 अंकों के साथ तीसरे और भारत की स्मृति मंधाना 709 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं।

कैमरून स्टेडियम में मची भगदड़ में कम से कम छह की मौत

याओंडे (कैमरून)। (एजेंसी)।

अफ्रीका के शीर्ष फुटबॉल टूर्नामेंट के एक मैच के दौरान स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है जिससे उपमहाद्वीप के सबसे बड़े खेल आयोजन की मेजबानी की कैमरून की क्षमता पर भी प्रश्नचिन्ह लग गया है। कैमरून के केंद्रीय क्षेत्र के गर्वनर नासेरी पॉल बिया ने कहा कि मरने वालों की संख्या अधिक भी हो सकती है। उन्होंने सोमवार को कहा ,'' हम अभी मरने वालों की कुल संख्या बताने की स्थिति में नहीं हैं।'' यह भगदड़ उस समय मची जब अफ्रीकी कप आफ नेशंस में अंतिम 16 के मैच में मेजबान कैमरून और कोमोरोस के बीच मैच देखने के लिये दर्शकों ने ओलम्बे स्टेडियम में घुसने की कोशिश की। मेस्सास्सी अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि कम से कम 40 लोग चोटिल होकर अस्पताल लाये गए हैं।

अधिकारियों ने कहा कि अस्पताल सभी का इलाज कर पाने में सक्षम नहीं है। एक नर्स ने कहा ,'' कुछ की हालत को बहुत नाजुक है।हम उन्हें दूसरे अस्पताल में भेजेंगे।'' भगदड़ के बाद लोग स्टेडियम के प्रवेश द्वार के बाहर पीठ के बल अचेत पड़े थे। उनके जूते, टोपियां और रंग बिरंगी विग यत्र तत्र बिखरी पड़ी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बच्चे भी भगदड़ की चपेट में आ गए हैं। उनका कहना है कि स्टेडियम के कर्मचारियों ने दरवाजा बंद करके लोगों को भीतर प्रवेश नहीं करने दिया जिसके बाद भगदड़ मच गई। स्टेडियम की क्षमता 60000 दर्शकों की है लेकिन कोरोना महामारी के कारण 80 प्रतिशत को ही प्रवेश दिया जा रहा है जबकि फुटबॉल अधिकारियों के अनुसार करीब 50000 लोगों ने प्रवेश की कोशिश की।

अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ ने कहा ,'' हम हालात की जांच कर रहे हैं। विस्तार से जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही है। हम कैमरून सरकार और स्थानीय आयोजन समिति के संपर्क में हैं।'' कैमरून पिछले 50 साल में पहली बार अफ्रीकी कप की मेजबानी कर रहा है। उसे 2019 में ही इसकी मेजबानी करनी थी लेकिन उसकी तैयारियों को लेकर आशंकाओं के चलते मिस्र को मेजबानी सौंपी गई थी। इससे पहले रविवार को याओंडे के एक नाइटक्लब

में सिलसिलेवार विस्फोट के बाद आग लगने से कम से कम 17 लोग मारे गए थे। इसके बाद कैमरून के राष्ट्रपति पॉल बिया ने लोगों को सतर्क रहने के लिये कहा था चूंकि देश सबसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। कैमरून सोमवार का मैच 2 . 1 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है।

नारवाल की मौजूदगी में दबावमुक्त होकर खेलता हूं : सुरेंद्र गिल

नयी दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) में वर्तमान सत्र में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ने वाले यूपी योद्धा के रेडर सुरेंद्र गिल ने अपनी सफलता का श्रेय अनुभवी खिलाड़ी प्रदीप नारवाल को दिया जिनकी उपस्थिति में उन्हें दबावमुक्त होकर खेलने में मदद मिलती है।रोहतक के एक छोटे से गांव के रहने वाले सुरेंद्र गिल ने वर्तमान सत्र में अपने शानदार प्रदर्शन से यूपी योद्धा की जीत में अहम भूमिका निभायी है। उन्होंने बेंगलुरू में चल रही प्रतियोगिता के 12 मैचों में कुल 111 अंक बनाये हैं और वह लीग में सर्वाधिक अंक बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में पांचवें स्थान पर हैं। गिल ने फ्रेंचाइजी की यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, ''मैं अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं और पिछले साल के मुकाबले मेरे खेल में काफी बदलाव आया है। मैंने इस सत्र के लिये कड़ी मेहनत की है। मैंने सत्र से पहले मेरठ में यूपी योद्धा बीके कबड्डी अकादमी में कड़ा अभ्यास किया था।'' गिल ने दादरी में अकादमी के साथ अपनी कबड्डी यात्रा की शुरुआत की। उसके बाद वह अखिल भारतीय विश्वविद्यालय स्तर पर खेले। पीकेएल के इस सत्र में अपने शानदार प्रदर्शन के बारे में उन्होंने कहा, ''मुझ पर किसी तरह का दबाव नहीं होता है। प्रदीप (नारवाल) भाई और श्रीकांत भाई के होने से मुझे बिना किसी तनाव के स्वाभाविक रूप से खेलने में मदद मिलती है और इस तरह मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दे पा रहा हूं।''

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

सार समाचार

मध्य एशियाई देशों की बिजली हुई गुल, 20 लाख लोगों को हुई परेशानी

मास्को। मध्य एशियाई देश कजाकिस्तान,उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान में मंगलवार को बड़े पैमाने पर बिजली गुल रहने की खबर है। द इंटरफैक्स न्यूज एजेंसी ने कहा कि कजाकिस्तान के सबसे बड़े शहर और राजधानी अलमाटी के 20 लाख लोग मंगलवार को बिजली से वंचित रहे। कजाकिस्तान की न्यूज साइट ओआरडीए डॉट केजेड ने बताया कि तुर्किस्तान के दक्षिणी इलाके खासकर शिमकेंट और तराज में भी बिजली गुल रही। इंटरफैक्स के मुताबिक किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक और इसके उत्तरी क्षेत्र चुय में भी बिजली गुल रही। इंटरफैक्स ने यह जानकारी किर्गिस्तान के ऊर्जा मंत्री के हवाले से दी। उजबेकिस्तान के ऊर्जा मंत्री ने भी बिजली आपूर्ति ठप होने की पुष्टि की जिसके कारण राजधानी ताशकंद में आवागमन बाधित हुआ। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ताशकंद हवाई अड्डे पर उड़ानों को अस्थायी रूप से उतरने पर रोक दिया गया। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि बड़े पैमाने पर बिजली गुल होने की असल वजह क्या है। हालांकि उज्बेक अधिकारियों ने इसके लिए बिजली लाइन में खराबी को जिम्मेदार ठहराया है। पूर्व सोवियत संघ रूस के अंग रहे ये तीनों देश एकल ऊर्जा तंत्र पर निर्भर हैं जिसे सोवियत संघ रूस के समय तैयार किया गया था।

वाइन का सेवन करने वालों के लिए अच्छी खबर, कोरोना से संक्रमित होने का खतरा होता है कम

नई दिल्ली। जब से कोरोना महामारी आई है तभी से देश और दुनिया के वैज्ञानिकों ने लोगों को खाने-पीने से संबधित हर चीजों को लेकर सलाह दी है। भारत में भी काढ़े पीने के लिए लोगों को सलाह दी गई। फ्रंटीयर्स इन न्यूट्रीशन जर्नल में प्रकाशित हुई एक रिसर्च के मुताबिक, जो लोग हफ्ते में 5 गिलास या उससे ज्यादा रेड वाइन का सेवन करते है उन्हें कोरोना वायरस होने का खतरा 17 फीसदी कम हो जाता है।ब्रिटिश वेबसाइट मिरर के अनुसार, इस रिसर्च को चीन के शेनझेन कांगनिंग अस्पताल में ब्रिटिश नागरिकों के डेटा का एनालिसिस करके तैयार किया गया है। इसमें वैज्ञानिकों ने ब्रिटेन के लोगों को शराब पीने की आदत और कोरोना हिस्ट्री का रिसर्च किया है। रिसर्चर के मुताबिक, रेड वाइन में पॉलीफेनोल नाम का एक कंपाउंड पाया जाता है। यह कंपाउंड फ्लू और सांस संबंधी बीमरियों को दूर रखने में मदद करता है। यहीं कारण है कि, इस वाइन को पीने से कोरोना होने का खतरा भी कम हो जाता है। रेड वाइन के अलावा, व्हाइट वाइन और शैंपेन जैसी ड्रिंक्स भी कोरोना के संक्रमण से बचाती है। रिसर्च के मुताबिक, हफ्ते में जो लोग 4 बार वाइन या शैंपेन पीते हैं, उन्हें कोरोना होने का खतरा केवल 8 फीसदी ही होता है। अगर आप भी इनका सेवन हफ्ते में 5 गिलास या उससे ज्यादा करते है तो सावधान होने की जरूरत है क्योंकि डबल शराब पीते है, उन्हें वायरस की चपेट में आने का रिस्क सबसे ज्यादा हो जाता है। यहीं वजह है कि, वैज्ञानिक ज्यादा शराब का सेवन करने की सलाह नहीं देते हैं। कोरोना से बचना है तो वैक्सीन लगवाना भी काफी जरूरी है। बता दें कि, देश में लगातार 5वें दिन 3 लाख से ज्यादा नए कोरोना केस आए हैं।

दक्षिण हैती में भूकंप के दो झटके; दो लोगों के मरने की सूचना; मची अफरा-तफरी

पोर्ट ऑ प्रिंस। दक्षिणी-पश्चिमी हैती में सोमवार को आए भूकंप के दो झटकों से दो लोगों की मौत हो गई और कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए। भूकंप के झटकों के कारण लोगों में अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हो गई और स्कूल व कॉलेज बंद कर दिए गए। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण के मुताबिक, स्थानीय समयानुसार सुबह 8:16 बजे 5.3 तीव्रता का भूकंप आया। उसके करीब एक घंटे बाद 5.1 तीव्रता का झटका महसूस किया गया। दोनों भूकंप का केन्द्र हैती के दक्षिणी प्रायद्वीप में राजधानी पोर्ट ऑ प्रिंस के पश्चिम में था। सर्वेक्षण के अनुसार, दोनों का केन्द्र करीब 10 किलोमीटर की गहराई में था। हैती की सिविल सुरक्षा एजेंसी ने बताया कि कम से कम दो लोगों की मौत हुई है और दो अन्य घायल हुए हैं वहीं कम से कम 35 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं।

कर्ज चुकाने के लिए 80 हजार रुपए में बेच दिया अपना माह का बच्चा

त्रिची। तमिलनाडु में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। राज्य के त्रिची में पुलिस ने 38 साल के शख्स को बच्चा बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उस पर आरोप है कि उसने 80 हजार रुपए में अपने दो माह के बच्चे को बेच दिया है। इस व्यक्ति ने अपना कर्ज उतारने के लिए दो महीने के बच्चे को बेचने का फैसला किया। पुलिस ने घटना की खबर मिलते ही एक एजेंट के साथ ही दो अन्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जानकारी दी है कि वोरायुर के पूर्वी पंडमंगलम में 38 साल का अब्दुल सलाम 30 साल की पत्नी कैरूनिसा के साथ रहता है। दोनों के चार बच्चे हैं। अब्दुल सलाम इस समय बेरोजगार है और वह जुआ में पैसे हार चुका है। इसके साथ ही वह शराब पीने का लती है। पुलिस के अनुसार कैरूनिसा ने दो महीने पहले लड़के को जन्म दिया था। कैरूनिसा ने वोरायुर में पुलिस के पास अपने पति और दो अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी कि वे लोग उसके बच्चे को बेचना चाह रहे हैं। इस पर पुलिस ने केस दर्ज किया था और जांच शुरू की। जांच में पता चला कि अब्दुल सलाम ने इलाके में रहने वाले अरोकियाराज से 50 हजार रुपये उधार लिये थे। सलाम उसके रुपए वापस नहीं कर पा रहा था। इस पर अरोकियाराज ने सलाम से डील तय की कि वह सलाम का कर्ज माफ कर देगा और उसे और रुपए भी देगा। इसके लिए उसे अपने दो माह के बच्चे को बेचना होगा। सलाम ने कैरूनिसा से भी यह डील मानने के लिए कहा। सलाम ने अरोकियाराज के रिश्तेदार को बच्चा सौंप दिया। उनके बीच पैसे का लेनदेन 19 जनवरी को हुआ। कैरूनिसा ने इस बारे में 23 जनवरी को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

नागालैंड-मणिपुर में गणतंत्र समारोह से दूर रहेगा नागा समुदाय

-अफस्पा का विरोध कर इसे निरस्त करने की मांग कर रहे हैं

कोहिमा। नागालैंड और मणिपुर में विभिन्न नागा समूहों और संगठनों ने गणतंत्र समारोह से दूर रहने का फैसला किया है और लोगों से दिसंबर में सुरक्षा बलों द्वारा 14 नागरिकों की हत्या और नागा शांति प्रक्रिया में देरी के विरोध में राष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग लेने से परहेज करने का आग्रह किया है। वीं नागालैंड पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (ईएनपीओ), ऑल नागा स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एएनएसए), यूनाइटेड नागा काउंसिल (यूएनसी) सहित नागा संगठन सशस्त्र बल (विशेष शक्ति) अधिनियम, 1958 (अफस्पा) का भी कड़ा विरोध कर रहे हैं और इसे निरस्त करने की मांग कर रहे हैं। ईएनपीओ, एएनएसए, यूएनसी और विभिन्न अन्य नागा संगठनों ने नागालैंड और मणिपुर में अलग-अलग बयानों में पिछले साल 4-5 दिसंबर को नागालैंड के मोन जिले में सुरक्षा बलों द्वारा 14 नागरिकों की हत्या के लिए अभी तक न्याय नहीं देने के लिए केंद्र की कड़ी आलोचना की। नागालैंड में विभिन्न नागा संगठनों और आदिवासी नेताओं को अलग-अलग पत्रों में, ईएनपीओ ने कहा कि पिछले साल 14 दिसंबर को लॉन्गलेंग में सभी नागा नागरिक समाज संगठनों के साथ अपनी संयुक्त परामर्श बैठक में, यह संकल्प लिया था कि पूर्वी नागालैंड की जनता भारतीय सुरक्षा बलों के साथ तब तक असहयोग जारी करेगी, जब तक कि पीड़ितों के परिवारों और विशेष रूप से 14 निर्दोष लोगों की भीषण हत्याओं के खिलाफ न्याय नहीं दिया जाता है।

एशेंस में भारी बर्फबारी के कारण वाहनों पर जमी बर्फ की परत।

अमेरिका में डीसी और तीन राज्यों ने गूगल के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

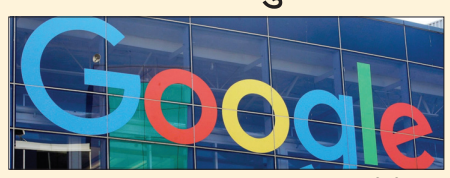

वाशिंगटन । अमेरिका में डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया (डीसी) और तीन राज्यों ने उपभोक्ताओं को कथित रूप से धोखा देने और उनकी निजता का उल्लंघन करने के मामले में गूगल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। वाशिंगटन की अदालत में दायर मुकदमे में डीसी के अटॉर्नी जनरल कार्ल रैसीन ने आरोप लगाया गूगल ने उपभोक्ताओं की 'लोकेशन' पर नजर रखकर और उसका इस्तेमाल करके उन्हें व्यवस्थित तरीके से धोखा दिया है।

उन्होंने कहा गूगल ने उपभोक्ताओं को यह भरोसा दिलाकर उन्हें भ्रमित किया है कि वे उनके बारे में कंपनी द्वारा एकत्र की गई जानकारी को नियंत्रित कर सकते हैं। मुकदमे में कहा गया है वास्तविकता यह है कि गूगल उत्पादों का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ता कंपनी को उनके लोकेशन की जानकारी साझा करने, इसे एकत्र करने और इससे लाभ कमाने से नहीं रोक सकते। इसमें कहा गया है कि गूगल के पास उपभोक्ताओं के दैनिक जीवन पर नजर रखने की असाधारण क्षमता है। रैसीन के कार्यालय के अनुसार, टेक्सास, इंडियाना और वाशिंगटन राज्य के अटॉर्नी जनरल ने भी अपने-अपने राज्यों की अदालतों में इसी प्रकार के मुकदमे दर्ज कराए हैं। गूगल के प्रवक्ता जोस कास्टानेडा ने एक बयान में कहा कि अटॉर्नी जनरल ने गलत दावों और हमारी सेटिंग के बारे में पुराने अभिकथनों के आधार पर मुकदमे दायर किए गए हैं। उन्होंने कहा गूगल ने अपने उत्पादों में उपभोक्ताओं की निजता का विशेष रूप से ध्यान रखा है।

यूक्रेन को लेकर नाटो देशों ने नहीं मानी पुतिन की मांग, बाइडेन के लिए परीक्षा की घड़ी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)

यूक्रेन को लेकर अमेरिका और रूस के बीच तनाव जारी है। एक्सपर्ट्स मानते हैं दुनिया को पश्चिम और मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप में रूसी प्रभाव का सम्मान करना चाहिए।2000 में सत्ता में आने के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोवियत संघ के टूटने को अपमानजनक माकर इस व्यवस्थित करने के लिए लगातार काम किया है। रूस ने यूक्रेन बॉर्डर पर एक लाख से अधिक सैनिकों की तैनाती कर दी है।पुतिन की मांग है कि यूक्रेन को नाटो गठबंधन में नहीं शामिल किया जाए। उन्होंने कहा है कि पूर्व सोवियत ब्लॉक देशों में सैनिकों की तैनाती के रूप में कटौती की जाए।

नाटो ने पुतिन की इन मागों को मानने से इनकार कर कहा है कि गठबंधन में शामिल होना किसी देश का अधिकार है। इससे रूस को कोई खतरा नहीं है। पुतिन के आलोचकों का मानना है कि पुतिन सरकार को डर नाटो नहीं है। उन्हें डर है कि एक लोकतांत्रिक और समृद्ध यूक्रेन रूसियों को आकर्षित कर सकता है, जो रूस में पुतिन के शासन के विकल्प की पेशकश कर सकता है।साल 2021 में पुतिन ने यूक्रेन और बेलारूस को लेकर कहा था कि रूस ने इन देशों का विभाजन आर्टिफिशियल है। 2014 से इन देशों में रूस विरोधी सरकार बैठी है,इस अमेरिका लगातार सपोर्ट कर रहा है।

रूस को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बेहद चिंतित हैं, यूक्रेन उनके लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षा बन गया है। पहले से ही कोविड,मंदी, चुनाव, जलवायु आदि को लेकर बैकफुट पर बाइडेन के सामने यूक्रेन एक और चुनौती है। उन्होंने यूक्रेन की मदद करने के लिए सैन्य हस्तक्षेप से इनकार कर कूटनीति की मदद ले रहे हैं। उन्होंने रूस के खिलाफ पश्चिम के देशों को एकजुट करने की कोशिश की है।2014 में रूस ने यूक्रेन के क्रीमिया इलाके को अपने कब्जे में ले लिया था। इसके बाद से रूस ने यूक्रेन में रूस समर्थक यूक्रेनी अलगाववादियों को जमकर सपोर्ट किया है। इस युद्ध में 14 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। मारे गए लोगों में तीन हजार से अधिक आम नागरिक थे। बेलारूस में विवादित चुनाव नतीजे को लेकर बेलारूसी नेता अलेक्जेंडर लुकाशेंको के खिलाफ महीनों तक बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुए।

अपनी हरकतों से नहीं बाज आ रहा उत्तर कोरिया, दो क्रूज मिसाइल का किया परीक्षण

सियोल।(एजेंसी)

उत्तर कोरिया ने दो संदिग्ध क्रूज मिसाइल का मंगलवार को परीक्षण किया, जो इस महीने में उत्तर कोरिया का पांचवां हथियार परीक्षण है। दक्षिण कोरिया के सैन्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने विभागीय नियमों का हवाला देकर अपना नाम गोपनीय रखे जाने की शर्त पर कहा कि दक्षिण कोरिया और अमेरिका के खुफिया अधिकारी इन प्रक्षेपणों का विश्लेषण कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने विस्तार से जानकारी उपलब्ध नहीं कराई। एक अन्य अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर कहा कि किसी अंदरूनी इलाके से परीक्षण किए गए, लेकिन उन्हें स्पष्ट रूप से नहीं बताया कि ये हमले कहां से किए गए थे। उत्तर कोरिया ने हाल के महीनों में क्षेत्र में कई नई मिसाइलों का परीक्षण किया है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन रियायतें पाने के लिए बातचीत से पहले अपने पड़ोसियों तथा अमेरिका पर मिसाइल प्रक्षेपण और अन्य खतरों के माध्यम से दबाव डालने की कोशिश कर रहे हैं।

ईरान को फिर मिला संयुक्त राष्ट्र महासभा में मतदान का अधिकार

जिनेवा (एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने कहा ईरान, गिनी और वानुआतु ने 193 सदस्यीय विश्व निकाय में अपने मतदान के अधिकार को फिर से हासिल करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के नियमित संचालन बजट में पर्याप्त बकाया राशि का भुगतान कर दिया है। अब केवल वेनेजुएला और पापुआ न्यू गिनी के पास ही महासभा में मतदान का अधिकार नहीं है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर में कहा गया है कि जिन सदस्यों का बकाया पिछले दो पूर्ण वर्षों के उनके योगदान की राशि के बराबर या उससे अधिक हो वे मतदान का अधिकार खो देते हैं। महासभा को यह तय करने का अधिकार भी है कि भुगतान न करने की वजह सदस्य देश के नियंत्रण से बाहर तो नहीं थी। ऐसी स्थिति में देश मताधिकार का इस्तेमाल करना जारी रख सकता है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस के महासभा को 12 जनवरी को जारी किए गए एक पत्र के अनुसार, आठ देशों ने अपना मताधिकार खो दिया था। इनमें से तीन देशों सूडान, एंटीगुआ एवं बारबुडा और कांगो गणराज्य ने पिछले सप्ताह अपनी बकाया राशि का भुगतान कर मताधिकार हासिल कर लिया था। महासभा ने फैसला किया कि सूची में शामिल तीन अफ्रीकी देश कोमोरोस, साओ तोमे एवं प्रिन्सिपी और सोमालिया अपने मतदान के अधिकार का इस्तेमाल कर पाएंगे। गुतारेस के पत्र के अनुसार, मतदान के अधिकार को बहाल करने के लिए आवश्यक न्यूनतम भुगतान ईरान के लिए 18,412,438 डॉलर, वेनेजुएला के लिए 39,850,761 डॉलर और सूडान के लिए 299,044 डॉलर डॉलर था। पांच अन्य देशों में से प्रत्येक को अपने मतदान अधिकारों को बहाल करने के लिए 75,000 डॉलर से कम का भुगतान करना था। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने बताया अमेरिकी प्रतिबंधों से मुक्त ईरानी बैंक फंड का उपयोग करते हुए उसने ईरान के 1.8 करोड़ डॉलर से अधिक की बकाया राशि का भुगतान किया है। उसने कहा कि भुगतान 'यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेजरी' के साथ परामर्श के बाद किया गया। यह कदम ईरान के साथ 2015 के परमाणु समझौते में अमेरिका के फिर से शामिल होने का एक संभावित संकेत है।

बुर्किना फासो पर अब जुंटा का नियंत्रण, सरकारी टीवी पर विद्रोही सैनिकों ने की घोषणा

औगाडोउगोउ। (एजेंसी)

सरकारी टेलीविजन पर सोमवार को 10 से अधिक विद्रोही सैनिकों ने घोषणा की कि बुर्किना फासो पर अब जुंटा (सेना) का नियंत्रण है। इससे पहले बुर्किना फासो के राष्ट्रपति रोच मार्क क्रिश्चियन काबोरे को बागी सैनिकों ने बंधक बना लिया था। यह पिछले 18 महीने में तीसरा पश्चिमी अफ्रीकी देश है, जहां इस्लामी चरमपंथ से सरकार के निपटने के तौर-तरीकों को लेकर सेना ने तख्तापलट किया है। कैप्टन सिदसोरे कबेर औएद्राओगो ने कहा कि सुरक्षा एवं बहाली के इस देशभक्ति आंदोलन (पैट्रियोटिक मूवमेंट) ने अपनी जिम्मेदारी निभाने का फैसला किया है। गहराते इस्लामी विद्रोह और संकट से निपटने में राष्ट्रपति की अक्षमता की वजह से बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के कारण सैनिक काबोरे के राष्ट्रपति कार्यकाल को समाप्त कर रहे हैं। अभी तत्काल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि राष्ट्रपति रोच मार्क क्रिश्चियन काबोरे कहां हैं। जुंटा के प्रवक्ता ने कहा कि केवल तख्तापलट किया गया है, 'गिरफ्तार किए गए लोगों को किसी प्रकार की कोई चोट नहीं पहुंचाई गई, उन सभी को सम्मान के साथ सुरक्षित स्थान पर रखा गया है।' नाम उजागर ना करने की शर्त पर विद्रोह में शामिल एक सैनिक ने 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) को बताया कि काबोरे ने अपना इस्तीफा सौंप दिया है। नए सैन्य शासन ने कहा कि उसने बुर्किना फासो के संविधान और 'नेशनल असेंबली' को भंग कर दिया है। देश की सीमाएं भी बंद हैं और रात नौ बजे से सुबह पांच बजे तक कर्फ्यू रहेगा।

औएद्राओगो ने विस्तृत जानकारी दिए बिना बताया कि देश के नए नेता चुनाव कराने के लिए एक ऐसा समय का निर्धारण करेंगे, जो 'सभी को स्वीकार्य हो।' सरकारी प्रसारणकर्ता 'आरटीबी' पर पढ़ी गई इस विज्ञप्ति पर देश के नए सैन्य नेता लेफ्टिनेंट कर्नल पॉल हेनरी सैंडाओगो दामिबा के हस्ताक्षर थे। वह सोमवार की घोषणा के दौरान कैमरे के सामने आए बिना प्रवक्ता के पास बैठ थे। उल्लेखनीय है कि बुर्किना फासो के राष्ट्रपति रोच मार्क क्रिश्चियन काबोरे के आवास के पास रविवार देर रात गोलियों की आवाज सुनी गईं थी।

इससे पहले विद्रोही सैनिकों ने दिन में एक सैन्य अड्डे पर कब्जा कर लिया था। काबोरे के राजनीतिक दल ने एक बयान में विद्रोही सैनिकों पर राष्ट्रपति और एक अन्य सरकारी मंत्री की हत्या करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए कहा था कि औगाडोउगोउ में राष्ट्रपति आवास 'भारी हथियारों से लैस लोगों' से घिरा हुआ है। काबोरे, वर्ष 2015 से ही राष्ट्रपति हैं और नवंबर 2020 में एक बार फिर वह राष्ट्रपति चुने गए थे। वह तभी से विरोध का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कुछ समय पहले देश के प्रधानमंत्री को बर्खास्त कर दिया था और मंत्रिमंडल के ज्यादातर सदस्यों को बदल दिया था। कभी शांतिपूर्ण रहे इस पश्चिमी अफ्रीकी देश में हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही है, क्योंकि अलकायदा और इस्लामिक स्टेट समूह के हमले यहां बढ़ रहे हैं।

क्या चीन और ताइवान के बीच हालात खराब होते जा रहे हैं, दोनों देशों के बीच युद्ध हुआ तो क्या होगा?

(एजेंसी)

रूस और यूक्रेन में जंग जैसे हालात बन चुके हैं और महायुद्ध का खतरा मंडराने लगा है। ऐसे हालात में चीन कहां बाज आने वाला। चीन ने अपने जानी दुश्मन अमेरिका को उलझाने के लिए एक खतरनाक दांव चल दिया है। चीन ने एक बार फिर ताइवान के एयरस्पेस में अपने लड़ाकू विमान भेज कर माहौल को गर्म कर दिया है। ताकी अमेरिका यूक्रेन के साथ ताइवान की तकरार में उलझा रहे। ताकत के नशे में चूर चीन की सेना गुस्ताखियों भरा कदम उठा रही है। हथियारों की हनक के साथ चीन की सेना के लड़ाकू विमान एक बार फिर ताइवान के एयर स्पेस में घुस आए।

ताइवान के खिलाफ चीन का दांव

चीन के करीब 39 लड़ाकू विमान 23 जनवरी की रात ताइवान के डिफेंस जोन में पहुंच गए। इनमें 24 लड़ाकू जेट ख-16 और 10 इलेक्ट्रॉनिक/फाइटर प्लेन ख-10 भी शामिल थे। इनकी संख्या अक्टूबर के बाद सबसे अधिक रही। दरअसल इस देश को आशंका है कि चीन इसपर हमला कर देगा। चीन ताइवान को अपना क्षेत्र बताता है, जबकि ताइवान का कहना है कि वह एक स्वंतत्र देश है।

ताइवान ने दिया मुंहतोड़ जवाब

चीन की गुस्ताखियों के बीच ताइवान ने भी मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी शुरू कर दी है। ताइवान की मिसाइलों का मुंह चीन की फाइटर जेट की तरफ मोड़ दिया गया है। ड्रैगन की गुस्ताखी का जवाब देने के लिए फाइटर जेट एक्टिवेट हो गए। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि हमारे देश ने चीनी लड़ाकू विमान की सूचना मिलते ही चेतावनी के तौर पर अपने लड़ाकू विमान भी भेज दिए। साथ ही एडिज में दाखिल होने वाले 39 चीनी लड़ाकू विमानों को ट्रैक करने के लिए मिसाइलें तैनात कर दी हैं।

क्या है दोनों देशों का विवाद

चीन मानता है कि ताइवान उसका एक प्रांत है, जो अंततः एक दिन फिर से चीन का हिस्सा बन जाएगा। दूसरी ओर, ताइवान खुद को एक आजाद मुल्क मानता है। उसका अपना संविधान है और वहां लोगों द्वारा चुनी हुई सरकार का शासन है। चीन यदि ताइवान पर कब्जा कर लेता है तो पश्चिम के कई जानकारों की राय में, वो पश्चिमी प्रशांत महासागर में अपना दबदबा दिखाने को आजाद हो जाएगा।

क्या हालात खराब होते जा रहे हैं?

ये पहला मौका नहीं है जब चीन ने ताइवान की सीमा में फाइटर प्लेन भेजे हैं। ताइवान की सरकार पिछले डेढ़ साल से नियमित रूप से इस संबंध में आंकड़े जारी कर रही है। उनके अनुसार, तब से चीनी पायलट लगभग रोज ताइवान की ओर उड़ान भर रहे हैं। इससे पहले चीन के सर्वाधिक 56 विमानों ने पिछले साल अक्टूबर में ताइवान की ओर उड़ान भरी थी।

चीन का मुकाबला कर सकता है ताइवान

चीन का अपनी सेना पर सालाना खर्च दुनिया में अमेरिका को छोड़कर सबसे ज्यादा है. उसकी सैन्य ताकत काफी विविध और विशाल है। दोनों देशो के बीच यदि आमने सामने की भिड़ंत हुई तो ताइवान बहुत कोशिश करके चीन के हमले को थोड़ा धीमा कर सकता है। उसे अमेरिका से मदद मिल सकती है, जो ताइवान को हथियार बेचता है।

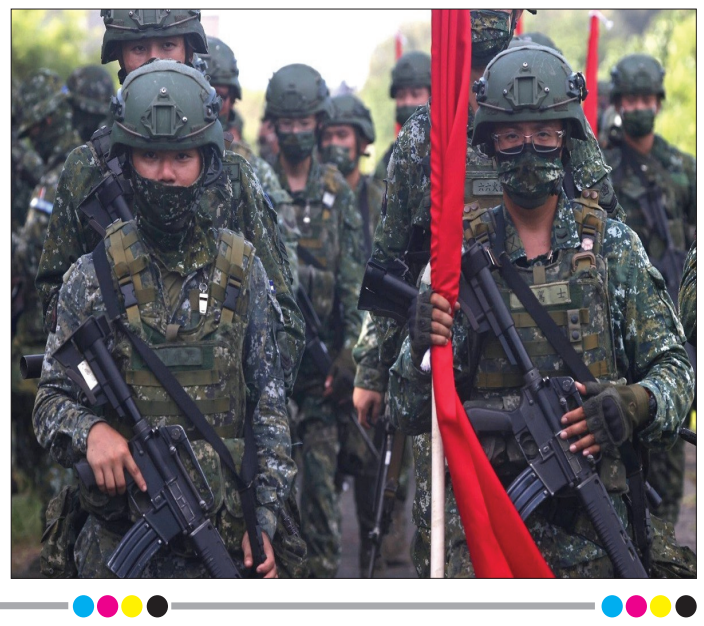

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उपराष्ट्रपति ने एक विश्वसनीय और प्रगतिशील संस्था के रूप में चुनाव आयोग की सराहना की

नई दिल्ली ।

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने आज चुनाव आयोग तथा मतदाताओं से अगले आम चुनावों में 75% तक मतदान प्रतिशत हासिल करने का आह्वान किया जिससे चुनावी लोकतंत्र और अधिक समावेशी बन सके। उन्होंने एक साथ चुनाव कराए जाने के विषय पर भी सहमति बनाने का आग्रह किया जिससे प्रगति की गति निर्बाध रहे। 12वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर अपने संदेश में श्री नायडू ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एक भी मतदाता न छूटे। उन्होंने मतदाताओं से कहा कि चुनावों में उम्मीदवार के गुण दोष की जांच कर, उस के आधार पर मत देने का निर्णय करें। उपराष्ट्रपति कोविड से संक्रमित हैं तथा उन्होंने स्वयं को हैदराबाद में अपने आवास पर ही आइसोलेट कर लिया है। नई दिल्ली में इस आयोजन में उनकी अनुपस्थिति में उनका वक्तव्य पढ़ा गया। 1952 में पहली लोकसभा के लिए हुए आम चुनावों में 44.87% मत प्रतिशत रहा था जो 2019 में 17वीं लोकसभा के लिए हुए आमचुनावों में लगभग 50% बढ़ कर 67.40% तक पहुंच गया। इस उपलब्धि के लिए उपराष्ट्रपति ने सभी संबद्ध हितधारकों की सराहना की। विगत 70 वर्षों में लगातार बेहतरी हासिल करने के चुनाव आयोग के निरंतर प्रयासों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आयोग ने एक विश्वसनीय, जवाबदेह और प्रगतिशील संस्था के रूप में अपनी प्रतिष्ठा स्थापित की है जिस पर लोकतंत्र के हर हिमायती को गौरव करना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारे चुनावी लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने के लिए हर चुनाव में मत प्रतिशत बढ़ाना और मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के रास्ते में आने वाली बाधाओं का समाधान करना, ये चुनाव आयोग के सामने चुनौती रही है। उपराष्ट्रपति ने आह्वान किया कि आज़ादी के 75वें वर्ष में यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कोई भी मतदाता न छूटे तथा अगले आम चुनावों के लिए 75% प्रतिशत मतदान हासिल करने का लक्ष्य रखा जाय। उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि मताधिकार महज अधिकार नहीं बल्कि एक दायित्व है। नायडू ने हमारी संघीय व्यवस्था के तीनों स्तरों के चुनाव एक साथ कराए जाने पर विचार विमर्श करने तथा एक राष्ट्र के रूप में सहमति बनाने का आग्रह किया जिससे चुनावों के बाद जन कल्याण और प्रगति की गति निर्बाध बनी रहे।

ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा को परम विशिष्ट सेवा मेडल

नई दिल्ली ।

टोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन के बल पर गोल मेडल जीतकर इतिहास रचने वाले नीरज चोपड़ा को परम विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया जाएगा। गणतंत्र दिवस से एक रोज पहले 384 लोगों को वीरता पुरस्कार देने का ऐलान किया गया है। इन सभी को गणतंत्र दिवस के दिन सम्मानित किया जाएगा। मंगलवार को गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की ओर से वीरता पुरस्कारों के नामों की मंजूरी दे दी गई है। इस लिस्ट में कुल 384 लोगों के नामों का ऐलान हुआ है। सरकार की ओर से जारी इस लिस्ट में टोक्यो ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा का नाम भी शामिल है। घोषणा के मुताबिक, इसमें 12 शौर्य चक्र और 29 परम सेवा विशिष्ट सेवा मेडल, 13 युद्ध सेवा मेडल, 122 विशिष्ट सेवा मेडल, 4 उत्तम युद्ध सेवा मेडल और 53 अति विशिष्ट सेवा मेडल शामिल हैं। कुल 384 लोगों को वीरता पुरस्कार देने का ऐलान किया गया है। गणतंत्र दिवस के दिन सम्मानित होने वाले सेना के छह जवानों को शौर्य चक्र पुरस्कार (तीसरा सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार) से सम्मानित किया जाएगा। इसमें पांच मरणोपरांत शामिल हैं। 17 मद्रास के नायब सूबेदार श्रीजीत एम को जुलाई 2021 में जम्मू-कश्मीर में तलाशी अभियान के दौरान एक ऑपरेशन में एक आतंकवादी को मारने के लिए शौर्य चक्र (मरणोपरांत) से सम्मानित किया जाएगा। गौरतलब है कि ओलंपिक स्वर्ण पदक जीत चुके भारत के भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने आगामी इवेंट्स के लिए अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक में अपने दूसरे प्रयास में 87.58 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता था। नीरज का सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 88.07 मीटर है। ऐसे में आगामी ओलंपिक से पहले उनकी नजरें 90 मीटर की बाधा पार करने पर लगी हैं।

गणतंत्र दिवस पर अग्निशमन सेवा, होम गार्ड्स और नागरिक सुरक्षा कर्मियों को राष्ट्रपति पदक

नई दिल्ली । हर साल गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा और होमगार्ड के कर्मियों को वीरता के लिए राष्ट्रपति पदक और विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पदक के साथ-साथ शौर्य पदक व सराहनीय सेवा के लिए पदक से सम्मानित किया जाता है। गणतंत्र दिवस, 2022 के अवसर पर 42 कर्मियों को अग्निशमन सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। इनमें से वीरता के लिए राष्ट्रपति अग्निशमन सेवा पदक से 1 कर्मी को और शौर्य के लिए अग्निशमन सेवा पदक से 2 कर्मियों को उनके साहस और वीरता पूर्ण कार्यों के लिए सम्मानित किया है। विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति अग्निशमन सेवा पदक 9 कर्मियों को और सराहनीय सेवा के लिए अग्निशमन सेवा पदक 30 कर्मियों को उनके संबंधित विशिष्ट और सराहनीय सेवा रिकॉर्ड के लिए प्रदान किया गया है। गणतंत्र दिवस, 2022 के अवसर पर 25 कर्मियों/स्वयंसेवकों को होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा पदक से भी सम्मानित किया है। इनमें से विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा पदक 2 कर्मियों को प्रदान किया है। वहीं, सराहनीय सेवा के लिए होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा पदक से 23 कर्मियों को सम्मानित किया गया है।

पीएम मोदी ने महाराष्ट्र की दुर्घटना के मृतकों के प्रति शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के सेलसुरा के निकट एक दुर्घटना में हुये जानी नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने प्रभावितों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय आपदा कोष से अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा है 'महाराष्ट्र में सेलसुरा के निकट हुई दुर्घटना में होने वाले जानी नुकसान पर दुख है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनायें उन लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि जो लोग घायल हुये हैं, वे शीघ्र स्वस्थ होंः प्रधानमंत्री। प्रधानमंत्री ने सेलसुरा के निकट हुई दुर्घटना के प्रत्येक मृतक के निकटस्थ सम्बंधियों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय आपदा कोष से दो-दो लाख रुपये दिये जाने की घोषणा की है। जो घायल हुये हैं, उन्हें 50-50 हजार रुपये दिये जायेंगे।'

जालंधर छावनी से चुनावी प्रचार का आगाज करेंगे राहुल गांधी करेंगे वर्चुअल रैली

अमृतसर ।

पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी नेताओं का प्रचार अभियान तेज हो गया है। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि पार्टी के शीर्ष नेता राहुल गांधी जालंधर से चुनावी प्रचार का बिगुल फूंकेंगे। राहुल गांधी 27 जनवरी को एक वर्चुअल रैली को संबोधित करने वाले हैं। पार्टी के एक नेता ने कहा कि रैली को संबोधित करने के लिए जालंधर जाने से पहले राहुल गांधी अमृतसर में दरबार साहिब में मत्था टेकेंगे। इसके बाद सड़क मार्ग से जालंधर के लिए निकलेंगे। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी के वर्चुअल रैली का सीधा प्रसारण पार्टी के सभी मीडिया प्लेटफार्म में किया जाएगा। रैली का केंद्र जालंधर छावनी विधानसभा हलका में होगा। यहां कैबिनेट मंत्री परगट सिंह कांग्रेस के प्रत्याशी हैं। राहुल गांधी के वर्चुअल रैली के लिए 22 जिलों में पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को उनका संबोधन देखने के लिए टू-वे लिंक की व्यवस्था की जा रही है। गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी ने अब तक राज्य की 117 विधानसभा सीटों में से 86 पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। शेष

31 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम लगभग फाइनल हैं, जल्द ही उनके नामों की भी घोषणा की जाएगी। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी पहले 3 जनवरी को मोगा में एक जनसभा के साथ पार्टी के अभियान की शुरुआत करने वाले थे और कैबिनेट मंत्रियों सहित पार्टी के कुछ नेताओं ने भी रैली स्थल का चयन करने के लिए जिले का दौरा किया था। हालांकि बाद में जनसभा रद्द कर दी गई थी।

इसरो अध्यक्ष डॉ.एस.सोमनाथ ने मंत्री जितेंद्र सिंह से मुलाकात कर 'गगनयान'और भविष्य के अन्य अंतरिक्ष मिशनों की स्थिति पर चर्चा की

नई दिल्ली ।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नए अध्यक्ष के रूप में पदभार संभालने के बाद डॉ. एस. सोमनाथ ने केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान और प्रौद्योगिकी, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पृथ्वी विज्ञान, प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात की और ÷गगनयान÷के साथ-साथ निकट भविष्य में अन्य अंतरिक्ष मिशनों की स्थिति पर चर्चा की। इसरो के नए प्रमुख को शुभकामनाएं देते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि डॉ. सोमनाथ ने बहुत ही महत्वपूर्ण समय पर प्रतिष्ठित कार्यभार संभाला है और नियति ने उन्हें भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन ÷गगनयान÷सहित कुछ बड़े ऐतिहासिक मिशनों के माध्यम से इसरो का नेतृत्व करने का आशीर्वाद दिया है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अंतरिक्ष कार्यक्रमों को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है और अंतरिक्ष तकनीकी को अब सड़कों तथा राजमार्गों, रेलवे, स्वास्थ्य सेवा, कृषि आदि विभिन्न क्षेत्रों में लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ वर्षों में अंतरिक्ष मार्ग के माध्यम से भारत के शीर्ष पर पहुंचने की शुरुआत होगी। इसरो के अध्यक्ष ने डॉ. जितेन्द्र सिंह को गगनयान कार्यक्रम की स्थिति से अवगत कराया और कहा कि कोविड व अन्य बाधाओं के कारण समयसीमा में देरी हुई, लेकिन अब चीजें फिर से पटरी पर आ गई हैं तथा पहले मानव रहित मिशन के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त हो रही हैं। पहले मानव रहित मिशन के बाद दूसरा मानव रहित मिशन ÷व्योममित्र÷रोबोट ले जाएगा और तब मानव मिशन द्वारा इसका पीछा किया जाएगा। मंत्री को बताया कि भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों ने रूस में सफलतापूर्वक सामान्य अंतरिक्ष उड़ान प्रशिक्षण प्राप्त किया है। गगनयान विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए बेंगलुरु में एक समर्पित अनौपचारिक (विशेष) अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण केंद्र भी स्थापित किया है। मानव मिशन की तैयारियों पर इसरो प्रमुख ने कहा कि निचले वातावरण (10किमी से कम) में काम कर रहे क्रू एस्केप सिस्टम के इन-फ्लाइट प्रदर्शन को शामिल किया गया है। समुद्र में प्रभाव के बाद क्रू मॉड्यूल की एक्सरसाइज रिकवरी पर भी काम किया जा रहा है।

कफील खान ने सीएम योगी के खिलाफ विपक्षी दलों से मांगा टिकट

गोरखपुर ।

गोरखपुर में 80 बच्चों की ऑक्सीजन की कमी से मौत के बाद चर्चा में आए डॉक्टर कफील खान सीएम योगी के खिलाफ चुनाव लड़ना चाहते हैं। उन्होंने विपक्षी पार्टियों से उन्हें प्रत्याशी बनाने की मंशा जाहिर की है। सीएम योगी गोरखपुर सदर सीट से मैदान में आ रहे हैं। सीएए के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान कफील खान के खिलाफ योगी सरकार ने रासुका की कार्रवाई की थी। हाईकोर्ट से राहत मिलने के बाद कफील जेल से बाहर आए थे। कफील खान ने यह भी बताया कि वह क्यों चुनाव लड़ना चाहते हैं। गोरखपुर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ चुनाव लड़ सकता हूं। कई दलों से मेरी बात चल रही है। अगर सब कुछ ठीक रहा और कोई पार्टी मुझे टिकट देती है तो मैं तैयार हूं। इस सवाल पर कि कौन सी पार्टी उनके संपर्क में है, खान ने कहा कि वह अभी पार्टी का नाम नहीं बताएंगे। गोरखपुर में विधानसभा चुनाव के छठे चरण में आगामी तीन मार्च को मतदान होगा। खान ने आरोप लगाया कि उन्हें अगस्त 2017 में गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में कथित रूप से ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई 80 बच्चों की मौत के मामले में बलि का बकरा बनाया गया। खान गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में हुई उस त्रासद घटना के वक्त वहां तैनात थे। इस मामले में उन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उन्हें गिरफ्तार किया गया था। बाद में उन्हें बर्खास्त कर दिया गया था। खान ने कहा कि वह फेसबुक, ट्विटर इत्यादि सोशल मीडिया मंच पर सक्रिय हैं और इस वक्त वह मुंबई में हैं जहां से वह हैदराबाद और बेंगलुरु जाएंगे और वहां वह अपनी किताब द गोरखपुर हॉस्पिटल ट्रेजेडी- ए डॉक्टर्स मेमोरी ऑफर डेडली मेडिकल क्राइसिस का प्रमोशन करेंगे। यह किताब गोरखपुर मेडिकल कॉलेज त्रासदी पर ही आधारित है। खान ने दावा किया कि गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होने के बाद उन्होंने व्यक्तिगत प्रयास कर ऑक्सीजन सिलेंडर एकत्र किए थे जिससे अनेक बच्चों की जान बची। उन्होंने कहा कि अगले दिन अखबारों में उन्हें एक नायक के तौर पर पेश किया था, मगर इसके बावजूद उन्हें निशाना बनाया गया जबकि बाकी आरोपियों को छोड़ दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने जानबूझकर उनके परिवार को प्रताड़ित किया और भड़काऊ भाषण देने के आरोप में उन्हें लंबे वक्त तक जेल में रखा।

सुप्रीम कोर्ट का केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस

कैश और मुफ्त उपहार देने की घोषणा करने वाले राजनैतिक दलों की मान्यता रदद हो

नई दिल्ली ।

मतदाताओं को लुभाने के लिए कई राजनीतिक दल चुनाव के दौरान अक्सर कैश और मुफ्त उपहार का वादा करते हैं।राजनीतिक पार्टियों की तरफ से इस तरह के वादे करने को लेकर रोक लगाने की मांग की गई है। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से इसतरह के राजनीतिक दलों का चुनाव चिन्ह जब्त करने और उनकी मान्यता रद करने की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस लेकर चार हफ्ते में जवाब मांगा है। ये याचिका अश्विनी कुमार उपाध्याय ने दाखिल की है। याचिका में मांग की गई है कि उन राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद हो जिन्होंने सार्वजनिक धन से मुफ्त में चीजें वितरण करने का वादा किया था। अब चार हफ्ते के भीतर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को इस पर जवाब देना है।

मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना, न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने कहा कि यह निस्संदेह एक गंभीर का मुद्दा है। हम जानना चाहते हैं कि इस किसतरह से नियंत्रित किया जाए। मुफ्त बजट नियमित बजट से परे है, भले ही यह एक भ्रष्ट प्रथा नहीं है, लेकिन कभी-कभी जैसा कि एससी द्वारा देखा गया है कि यह कुछ पार्टियों आदि के लिए समान अवसर नहीं है। बेंच ने सुब्रमण्यम बालाजी बनाम तमिलनाडु राज्य के मामले में सुप्रीम कोर्ट के पहले के फैसले का भी उल्लेख किया, जहां कोर्ट ने कहा कि चुनावी घोषणा पत्र में हुए वादों को प्रतिनिधित्व की धारा 123 के तहत %भ्रष्ट अभ्यास के रूप में नहीं माना जा सकता है। लोक अधिनियम, 1951 ने चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के मार्गदर्शन के लिए राजनीतिक दलों के परामर्श से चुनाव घोषणापत्र की सामग्री पर दिशानिर्देश तैयार करने और इसे आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) में शामिल करने का निर्देश दिया था। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार को इस मामले में एक हलफनामा दाखिल करना चाहिए और दिशा-निर्देशों के साथ-साथ कुछ मंजूरी भी जारी करने की जरूरत है। सिंह ने कहा कि कृपया देखें कि आखिरकार किसका पैसा देने का वादा किया गया है? यह लोगों का पैसा है। कुछ राज्यों पर प्रति व्यक्ति 3 लाख से अधिक का बोझ है, और अभी भी मुफ्त की पेशकश की जा रही है। कोर्ट ने उन्हें दिशानिर्देश तैयार करने के लिए कहा था, लेकिन बिना किसी के दिशानिर्देश पेशकश किए जा रहे हैं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सवाल किया कि जब तमाम राजनैतिक दल ऐसे ही फ्री गिफ्ट देने का वायदा कर रहे हैं, तब

आपने सिर्फ दो ही पार्टियों का जिक्र याचिका में क्यों किया? बाकी का जिक्र क्यों नहीं किया गया? बेंच ने बताया कि कैसे याचिकाकर्ता ने याचिका में चुनिंदा पार्टियों और राज्यों का नाम लिया था। सीजेआई ने कहा, आपने हलफनामे में केवल दो का नाम लिया है।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब चुनाव के लिए 27 जनवरी से चुनाव प्रचार का आगाज करेंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली ।

पंजाब में सत्ताधारी दल कांग्रेस दोबारा सत्ता में आने की कोशिशें कर रही हैं। चुनाव में फतह के लिए कांग्रेस नेता जोर-शोर से जुटे हुए हैं। उधर, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी पंजाब में चुनाव अभियान की शुरुआत करने जा रहे हैं। राहुल गांधी 27 जनवरी को पंजाब का दौरा करने वाले है। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने इसकी जानकारी दी है। सिद्धू ने बताया कि राहुल गांधी 27 जनवरी को अमृतसर पहुंचकर श्री हरमंदिर साहिब के दर्शन करने के बाद 117 उम्मीदवारों के साथ भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल का दौरा करने वाले है। राहुल गांधी सुबह 8 से 9 बजे के बीच दिल्ली से स्पेशल फ्लाइट से अमृतसर पहुंचने वाले है। सुबह सवा 9 से 9.45 तक सड़क से श्री हरमंदिर साहिब जाएंगे। 9.45 से 10.30 बजे तक 117 उम्मीदवारों के साथ श्री हरमंदिर साहिब के दर्शन करने वाले है। इसके बाद सवा 11 बजे सभी उम्मीदवारों के साथ दुर्गियाना मंदिर के दर्शन करने का कार्यक्रम है। 1.45 से 12.15 बजे तक भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल का दौरा करने के बाद दोपहर ढाई बजे तक अमृतसर से बाई रोड जालंधर पहुंचने का कार्यक्रम है। साढ़े तीन बजे से साढ़े चार बजे तक वर्चुअल रैली करने वाले है। शाम 5.20 बजे तक जालंधर से आदमपुर एयरपोर्ट पहुंचने वाले है। शाम 6.25 बजे तक जालंधर से स्पेशल फ्लाइट के जरिए दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

गणतंत्र दिवस पर अग्निशमन सेवा, होम गार्ड्स और नागरिक सुरक्षा कर्मियों को राष्ट्रपति पदक

नई दिल्ली । हर साल गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा और होमगार्ड के कर्मियों को वीरता के लिए राष्ट्रपति पदक और विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पदक के साथ-साथ शौर्य पदक व सराहनीय सेवा के लिए पदक से सम्मानित किया जाता है। गणतंत्र दिवस, 2022 के अवसर पर 42 कर्मियों को अग्निशमन सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। इनमें से वीरता के लिए राष्ट्रपति अग्निशमन सेवा पदक से 1 कर्मी को और शौर्य के लिए अग्निशमन सेवा पदक से 2 कर्मियों को उनके साहस और वीरता पूर्ण कार्यों के लिए सम्मानित किया है। विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति अग्निशमन सेवा पदक 9 कर्मियों को और सराहनीय सेवा के लिए अग्निशमन सेवा पदक 30 कर्मियों को उनके संबंधित विशिष्ट और सराहनीय सेवा रिकॉर्ड के लिए प्रदान किया गया है। गणतंत्र दिवस, 2022 के अवसर पर 25 कर्मियों/स्वयंसेवकों को होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा पदक से भी सम्मानित किया है। इनमें से विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा पदक 2 कर्मियों को प्रदान किया है। वहीं, सराहनीय सेवा के लिए होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा पदक से 23 कर्मियों को सम्मानित किया गया है।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 162.97 करोड़ से अधिक टीके प्रदान किये

नई दिल्ली । केंद्र सरकार देशभर में कोविड-19 टीकाकरण का दायरा विस्तृत करने और लोगों को टीके लगाने की गति को तेज करने के लिये प्रतिबद्ध है। कोविड-19 के टीके को सभी के लिए उपलब्ध कराने के लिए नया चरण 21 जून 2021 से शुरू किया गया था। टीकाकरण अभियान की रफ्तार को अधिक से अधिक टीके की उपलब्धता के जरिये बढ़ाया गया है। इसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को टीके की उपलब्धता के बारे में पूर्व सूचना प्रदान की जाती है, ताकि वे बेहतर योजना के साथ टीके लगाने का बंदोबस्त कर सकें और टीके की आपूर्ति श्रृंखला को दुरुस्त किया जा सके। देशव्यापी टीकाकरण अभियान के हिस्से के रूप में केंद्र सरकार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क कोविड टीके प्रदान करके उन्हें पूर्ण सहयोग दे रही है। टीके की सर्व-उपलब्धता के नये चरण में, केंद्र सरकार टीका निर्माताओं से 75 प्रतिशत टीके खरीदकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क प्रदान करेगी।केंद्र सरकार द्वारा अब तक निःशुल्क और सीधे राज्य सरकार खरीद माध्यमों से टीके की 162.97 करोड़ से अधिक (1,62,97,18,725) खुराकें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उपलब्ध कराई गई हैं। अभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास कोविड-19 टीके की 13.42 करोड़ से अधिक (13,42,75,821) अतिरिक्त और बिना इस्तेमाल हुई खुराकें उपलब्ध है, जिन्हें लगाया जाना है।

हरीश रावत के रामनगर सीट से चुनाव लड़ने को लेकर संशय

देहरादून । उत्तराखंड विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने तैयारी शुरु कर दी है। कांग्रेस सहित तमाम दलों ने उम्मीदवारों की सूची भी जारी की है।इसके बाद कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत को रामनगर विधानसभा सीट से चुनावी मैदान में उतारने का निर्णय लिया है। बीते दिनों कांग्रेस ने 11 और उम्मीदवारों की सूची जारी की। इस सूची के साथ पार्टी 64 उम्मीदवारों के नाम घोषित कर चुकी है।इसके बाद कांग्रेस को छह और सीटों पर उम्मीदवार घोषित करने हैं। इसी बीच पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने रामनगर से चुनाव लड़ने पर कहा कि यह मेरा गुरु स्थल है और मैंने यहीं से राजनीति सीखी है।हरीश रावत ने कहा कि रामनगर मेरे लिए गुरु स्थल है यहीं से मैंने राजनीति सीखी और जो कुछ सीखा उसके आधार पर मैं रामनगर और इससे सटे हुए क्षेत्र के लिए कुछ बेहतर कर सकूं। हम रोजगार देने वाली और महंगाई पर नियंत्रण करने वाली सरकार बनाएंगे। इससे पहले ऑडियो वायरल हुआ था,इसमें रावत और पार्टी के एक स्थानीय नेता के बीच की बातचीत थी। इस वायरल ऑडियो में कथित रूप से कांग्रेस का एक स्थानीय नेता रामनगर सीट पर हरीश रावत के धुर विरोधी रणजीत रावत की दावेदारी को उनसे मजबूत बता रहा है।आडियो में हरीश रावत कथित तौर पर स्वयं रामनगर से चुनाव लड़ने की बात कह रहे हैं, इसके जवाब में नेता कह रहा है, कि वह हर तरीके से रणजीत सिंह रावत के साथ है और उसके लिए कांग्रेस का मतलब वे ही हैं। हरीश रावत के करीबी रहे रणजीत रावत फिलहाल उनके विरोधियों की सूची में शामिल किए जाते हैं। इतना ही नहीं वर्तमान में वो प्रदेश कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष भी हैं और उन्होंने कुमांउ की रामनगर सीट से अपनी दावेदारी पेश की थी लेकिन पार्टी ने हरीश रावत को यहां से चुनावी मैदान में उतारने का निर्णय लिया है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि क्या कांग्रेस कार्यकर्ता हरीश रावत का साथ देंगे ? हालांकि हरीश रावत का कहना है कि रामनगर की जनता उन्हें आशीर्वाद देगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एकता का प्रतीक, हमारा सुदृढ़ गणतंत्र

हमें गर्व है कि विश्व का सबसे बड़ा संविधान हमारे देश का है। जो डॉ.भीमराव अम्बेडकर जी द्वारा रचित और हस्तलिखित पाण्डुलिपि में श्री प्रेम बिहारी रायजादा जी द्वारा निर्मित है। जो 2 वर्ष, 11 माह, 18 दिन में तैयार किया गया था। 26 जनवरी, 1950 को देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद ने 21 तोपों की सलामी के साथ ध्वजारोहण कर, भारत को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया था।

गणतंत्र दो शब्दों से मिलकर बनता है जो 'गण' अर्थात् जनता और 'तंत्र' अर्थात् शासन से है। गणतंत्र में जनता का ,जनता के लिए व जनता के द्वारा किया जाने वाला शासन होता है। हमारे देश में जनता के लिए बनाया गया संविधान लचीले संविधान की श्रेणी में भी आता है। जो समय-समय पर विशेष प्रक्रिया द्वारा जन हितार्थ में परिवर्तित किया जा सकता है। यह एक उत्तम संकेत है कि समय-समय पर देश, काल, परिस्थितियों के आधार पर लोकतंत्र की मूल भावना अक्षुण्ण रहे। वैसे भी राष्ट्र में नियम कायदे तो जनमानस के लिए ही होते हैं तो उनका सहर्ष पालन भी जनता द्वारा होने पर ही गणतंत्र सफल है।

हमें हमारे संविधान की वृहदता यह भी याद दिलाती है कि हमें अपने अधिकार व कानून दिलवाने में कई अमर शहीदों ने अनेकों संघर्ष किए हैं।

यहाँ मैं कहूँगी कि-

'आओं शत्-शत् वंदन करें शहीदों को,
जिन्होंने आज़ादी की मंजिल दिलवाई।
उन्होंने बहाया रक्त का कतरा-कतरा
तब हमने आज़ाद हवाओं में श्वासें पाई।'

इससे हम देशवासी संविधान के प्रति संकल्पित और प्रेरित होते है कि हमें इसके नियम कायदों का पालन करते हुए अपने देश को हर क्षेत्र में उन्नति, उत्कृष के नए शिखर पर ले जाना है तथा उसके प्रति सदैव समर्पित भाव रखते हुए निरंतर प्रगतिशील बनाना है।

हमारी भारतीय संस्कृति जो पहले से ही उत्कर्ष व वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना से ओतप्रोत रही है उसी को ध्यान में रखकर लिखा गया हमारा संविधान जिसमें उस समय 395 आर्टिकल, 8 अनुसूचियाँ थी। जो 22 भागों में चर्म पत्र पर लिखी गयी थी ताकि 1000 साल बाद भी वह अपना मूल स्वरूप ना खोए।

हमारा संविधान जनता के हित में तैयार किया गया तंत्र है। साथ ही हमारी भारतीय संस्कृति, मर्यादाएं जो अक्षुण्ण थी, है और रह सके इसलिए नीति सिद्धांतों के आधार स्तम्भ पर इसे निर्मित किया गया है। हमारे यहाँ जाति, धर्म से उठकर सभी को बराबरी के मौलिक अधिकार प्रदान किए गए है।

हमारे देश में कानून के अंतर्गत कोई भी छोटा-बड़ा, अमीर-गरीब व ऊँच-नीच नहीं है बल्कि इन सबसे बढ़कर सभी समान अधिकारों से युक्त हो, समानता के अधिकारी है। हमारे देशवासियों को पूर्ण अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्राप्त है। विधि के अंतर्गत सभी अपनी गलतियों के लिए एक समान दण्ड के अधिकारी भी है। यहाँ बड़ी बात इसलिए भी है कि हमारे देश की संस्कृति में इतने बहुआयामी विविधता के रंगों का समावेश है।

जहाँ विश्व की द्वितीय सबसे अधिक जनशक्ति रहती है। जहाँ हर 5 कि.मी. पर भाषा, खानपान, नृत्य, संगीत, गायन, वादन, कलाएं व पहनावा बदल जाता है तो ऐसी बहुरंगता में इतनी कानून कायदों की समानता होना अपने आप में अद्वितीय ही है। इसका यहीं गुण तो हमारे महान संविधान के गुणगान गाने को स्वतः प्रेरित करता है। हमें चाहिए कि देश के निरंतर विकास के लिए हम और विशेषतः युवा पीढ़ी अग्रणी बने क्योंकि किसी भी देश की उन्नति का सबसे बड़ा कारक वहाँ के युवा ही होते है। हम इस बात में भी विश्व में सबसे अधिक भाग्यशाली है कि हमारे यहाँ युवा पीढ़ी की आबादी सबसे अधिक है और इसलिए भारत भी युवा है। हमारे देश से शिक्षित युवा ना केवल देश में अपितु पूरे विश्व में अपने ज्ञान से उन्नत सेवाएँ दे रहे है। हमारी आर्थिक उन्नति के लिए भी हमारा युवा वर्ग बहुत बड़ा कारण है।

इसके अलावा हमारे देश में प्रकृति ने जो अनमोल व उत्तम उपहार प्रदान किए है उससे भी हमारे देश की उन्नति हो रही है, हमारे यहाँ के हैरिटेज व्यापार विश्वव्यापी स्वरूप ले रहे है, हमारे देश का कृषि प्रधान होना भी हमारी समृद्धि को चार चाँद लगाता है।

हमारे यहाँ की संस्कृति की महानता पूरा विश्व मानता है। जो करोनाकाल में हमने प्रत्यक्ष रूप से देखी भी है। हम सदैव सभी धर्मो का आदर करते हुए, सकल मानवजाति को सम्यक रूप से देखते हैं।

कुछ विघ्नसंतोषी ताकतों के कारण हमारे देश की अखण्डता, खण्डित हुई और अनेक पड़ोसी देश जैसे- बांगलादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान आदि बन गए। हमारा अखण्ड भारत खण्ड-खण्ड हुआ। जो हम भारतीयों के लिए शोकग्रस्त व घातक भी बना। हमारे यहाँ लगभग 60 सालों में देश में प्रजातंत्र होने के बाद भी राजतंत्र जैसी स्थितियाँ दर्शनीय रही।

फिर देश के महापुरुषों ने एक ऐसे संघ को स्थापित किया जिससे देश सही मायने में संगठित होने की दिशा में बढ़ा। यहाँ वास्तविक एकता की भावना पर जोर दिया गया। जो भारत अपनी धर्म, भाषा, संस्कृति के महत्व को भूल सुप्तावस्था में जा रहा था उसे जागृत करने में संघ ने महती भूमिका का निर्वहन किया।

आज भारत की धर्म, संस्कृति का युवा पीढ़ी में पुनः उदय हो रहा है। जो नवचेतना से नवभारत का अप्रतीम उदाहरण बन रहा है। संघ के नियमों से जन-जन में देशभक्ति की भावना बढ़ रही है। संघ संविधान का आदर करते हुए गणतंत्र के सही मायने सिखा रहा है। उससे जनता संविधान में लिखित अपने अधिकारों के प्रति सजग हो रही है और वास्तविक लोकतंत्र के महत्व को जान रही है।

अब जो लहरे संघ विचारधारा के रूप में उठी है वह अपने क्रियाकलापों व देशसेवा भावना से अखण्ड भारत के सपने को साकार करने में लगी है। संघ द्वारा लोक संस्कृति को बलवती करने के लिए निरंतर प्रयास हो रहे है जिससे वह दिन भी दूर नहीं होगा जब हम पुनः विश्वगुरू बन विश्व का मार्ग दर्शन करेंगे।

अभी हमने चलना शुरू ही किया है तो देश प्रगति के मार्ग पर है। प्रतीक्षा है उस दिन की, कि जब हम दौड़े और विश्व आदर से हमारे पथ का अनुगमन करें।

अब अंत में इतना ही ....

'हम हमारे भारत वर्ष का सम्मान करते हैं,
सदा अपनी मातृभूमि का गुणगान करते हैं,
देवभूमि देश है जहाँ राम,कृष्ण जन्म लेते,
गर्व हमें, हम भू के स्वर्ग पर निवास करते हैं।'

भारतीय ध्वज संहिता से जानिए राष्ट्रीय ध्वज का महत्व और फहराने का तरीका

चक्र : इस धर्म चक्र को विधि का चक्र कहते हैं जो तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व मौर्य सम्राट अशोक द्वारा बनाए गए सारनाथ मंदिर से लिया गया है। इस चक्र को प्रदर्शित करने का आशय यह है कि जीवन गतिशील है और रुकने का अर्थ मृत्यु है।

ध्वज संहिता : 26 जनवरी 2002 को भारतीय ध्वज संहिता में संशोधन किया गया और स्वतंत्रता के कई वर्ष बाद भारत के नागरिकों को अपने घरों, कार्यालयों और फैक्टरी में न केवल राष्ट्रीय दिवसों पर, बल्कि किसी भी दिन बिना किसी रुकावट के फहराने की अनुमति मिल गई। अब भारतीय नागरिक राष्ट्रीय झंडे को शान से कहीं भी और किसी भी समय फहरा सकते हैं। बशर्ते कि वे ध्वज की संहिता का कठोरता पूर्वक पालन करें और तिरंगे की शान में कोई कमी न आने दें।

सुविधा की दृष्टि से भारतीय ध्वज संहिता, 2002 को तीन भागों में बांटा गया है। संहिता के पहले भाग में राष्ट्रीय ध्वज का सामान्य विवरण है। संहिता के दूसरे भाग में जनता, निजी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों आदि के सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के विषय में बताया गया है। संहिता का तीसरा भाग केन्द्रीय और राज्य सरकारों तथा उनके संगठनों और अभिकरणों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के विषय में जानकारी देता है।

26 जनवरी 2002 विधान पर आधारित कुछ नियम और विनियमन हैं कि ध्वज को किस प्रकार फहराया जाए

क्या करें

* राष्ट्रीय ध्वज को शैक्षिक संस्थानों (विद्यालयों, महाविद्यालयों, खेल परिसरों, स्काउट शिविरों आदि) में ध्वज को सम्मान देने की प्रेरणा देने के लिए फहराया जा सकता है। विद्यालयों में ध्वज आरोहण में निष्ठा की एक शपथ शामिल की गई है।

* किसी सार्वजनिक, निजी संगठन या एक शैक्षिक संस्थान के सदस्य द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का अरोहण/प्रदर्शन सभी दिनों और अवसरों, आयोजनों पर अन्यथा राष्ट्रीय ध्वज के मान सम्मान और प्रतिष्ठा के अनुरूप अवसरों पर किया जा सकता है।

* नई संहिता की धारा 2 में सभी निजी नागरिकों अपने परिसरों में ध्वज फहराने का अधिकार देना स्वीकार किया गया है।

क्या न करें

* इस ध्वज को सांप्रदायिक लाभ, पर्दे या वस्त्रों के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता है। जहां तक संभव हो इसे मौसम से प्रभावित हुए बिना सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराया जाना चाहिए।

* इस ध्वज को आशय पूर्वक भूमि, फर्श या पानी से स्पर्श नहीं कराया जाना चाहिए। इसे वाहनों के हुड, ऊपर और बगल या पीछे, रेलों नावों या वायुयान पर लपेटा नहीं जा सकता।

* किसी अन्य ध्वज या ध्वज पट्ट को हमारे ध्वज से ऊंचे स्थान पर लगाया नहीं जा सकता है। तिरंगे ध्वज को वंदनवार, ध्वज पट्ट या गुलाब के समान संरचना बनाकर उपयोग नहीं किया जा सकता।

मेरा देश मेरी पहचानः कैसा देश चाहते हैं आप ?

भारत को सर्वगुण संपन्न देश बनाने के लिए एक ओर तो हमें विषमता व शोषण वाली ताकतों से संघर्ष करना होगा तथा साथ ही अपने जीवन को इन आदर्शों के अनुकूल बनाना होगा। आइए जानें 30 खास महत्वपूर्ण बातें...

(1) हम ऐसा देश चाहते हैं जिसमें सभी लोगों को भरपेट पौष्टिक भोजन मिले, साफ पेयजल मिले।

(2) सभी लोगों को सर्दी-गर्मी व बरसात से रक्षा करने वाले और सफाई की उचित व्यवस्था वाले घर और वस्त्र मिलें।

(3) सभी बच्चों को शिक्षा के उचित खुशहाल अवसर मिलें। जो अशिक्षित वयस्क लोग साक्षर होना चाहते हैं उन्हें साक्षरता के पर्याप्त अवसर मिलें।

(4) बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं सब लोगों को उपलब्ध हों। दवा उद्योग मुनाफे पर आधारित न होकर जरूरतों पर आधारित हों। रोगों की रोकथाम व दुर्घटनाओं को कम करने को प्राथमिकता मिले।

(5) गरीब से गरीब व कमजोर से कमजोर व्यक्ति को आगे जाने का अवसर मिले। इतिहास के सैकड़ों वर्षों में जिनसे अन्याय हुआ है उन अनुसूचित जातियों व जनजातियों, अन्य बहुत पिछड़े वर्गों तथा महिलाओं को अधिक अवसर देने की विशेष व्यवस्था की जाए। छुआछूत को जड़ से समाप्त किया जाए। विकलांग व्यक्तियों को विशेष अवसर मिले व समाज उनकी जरूरतों पर ध्यान दें।

(6) गांवों व कृषि को प्राथमिकता दी जाए। गांवों के आत्मनिर्भर विकास पर जोर दिया जाए। सूखे, बाढ़ से अधिक प्रभावित रहने वाले या अन्य कारणों से अधिक गरीब गांवों पर विशेष ध्यान दिया जाए। गांव के जल, जंगल, जमीन, लघु खनिज आदि संसाधनों पर गांव का अधिकार हो। ग्रामसभा में सभी वयस्क गांववासियों की बराबर व सक्रिय जिम्मेदारी हो। गांव के जल, जंगल, मिट्टी, पत्थर पर आधारित सबको संतोषजनक आजीविका मिले, वे इन सब संसाधनों की रक्षा करें।

(7) समता व सादगी को आर्थिक-सामाजिक विकास का आधार बनाया जाए।

(8) बुनियादी उद्योगों, खाद्य, दवा आदि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में देश की आत्मनिर्भरता सुनिश्चित की जाए।

(9) हवा, पानी को साफ रखने व प्रदूषण से बचाने के निष्ठावान प्रयास किए जाएं।

(10) जमीन का उपजाऊपन से बचाने, वनों व चारागाहों की रक्षा करने, हरियाली बढ़ाने, पानी का संरक्षण और संग्रह करने के विशेष प्रयास किए जाएं।

(11) जहां तक संभव हो विस्थापन वाली परियोजनाओं के विकल्प खोजे जाएं। जहां विस्थापन डाला न जा सके, वहां विस्थापितों से पूर्ण न्याय के बाद ही उन्हें हटाया जाए।

(12) भूमिहीन खेत मजदूरों को जमीन दी जाए। जिन किसानों की जमीन बहुत कम हो गई है, हो सके तो उन्हें भी जमीन दी जाए। ग्रामीण दस्तकारों के रोजगार की रक्षा हो। किसी भी कारखाने को बंद करना हो तो मजदूरों से पूर्ण न्याय हो। किसी को अचानक बेरोजगारी में न धकेला जाए।

(13) किसी को ऐसे कार्य करने के लिए मजबूर न होना पड़े जो उसके स्वास्थ्य व इज्जत पर आघात करें।

(14) छोटे शहरों व कस्बों के विकास पर अधिक ध्यान दिया जाए, जिससे महानगरों की झोपड़ियों व फुटपाथों पर रहने की मजबूरियों से लोग बचें। सभी शहरों के विकास में गरीब लोगों की जरूरतों का ध्यान रखा जाए। विलासिता व चमक-दमक के स्थान पर सफाई और बुनियादी जरूरतों को महत्व दिया जाए।

(15) अर्थव्यवस्था में हम गरीब देशों व विकासशील देशों में हो रहे बहुतरफा अन्याय का विरोध करें व विश्व शांति के लिए प्रयास करें। पड़ोसी देशों से संबंध अच्छे रखने का पूरा प्रयास करें, पर साथ ही किसी हमले या किसी आतंकवाद का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयारी में रहें।

(16) सभी तरह के हथियारों को कम करने व नाभिकीय हथियारों को पूरे विश्व में समाप्त करने के प्रयास करें।

(17) सभी धर्मों के अनुयायी अपने धर्म को मानने को स्वतंत्र हों पर किसी अन्य धर्म के विरुद्ध कुछ न कहें।

(18) सभी जीव-जंतुओं के प्रति करुणा की भावना विकसित हो। लोगों के सहयोग से लुप्त हो रहे जीव-जंतुओं की रक्षा की जाए। कृषि पशुओं व डेयरी पशुओं के प्रति कोई क्रूरता न हो। जहरीली दवाओं से पशु-पक्षी न मारे जाएं। शाकाहारिता को प्रोत्साहित किया जाए।

(19) सब तरह के नशे व धूम्रपान के विरुद्ध जन जागृति उत्पन्न की जाए।

(20) ऐसी नीतियां अपनाई जाएं जिनसे गांव-मोहल्ले के स्तर पर आपसी भाईचारा, परिवारों की एकता व प्यार बढ़े, बच्चों तथा वृद्धों का विशेष ख्याल रखा जाए। महिलाओं को गरिमामय स्थान मिले।